दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

# क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-13, अंक -306 जबलपुर, रविवार 05 जनवरी 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव


**हमारी सरकार जनकल्याण, जनहित और जनभावनाओं का करती है आदर सही तथ्य जाने बिना भ्रमित न हों**

## जनहित सर्वोपरि - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**कचरा अभी डंप किया, तुरंत जलाने का फैसला नहीं-मोहन यादव**

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार जनता के साथ दृढ़ता से खड़ी है। जनता का किसी भी प्रकार अहित हो, यह हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। माननीय न्यायालय के सामने विषय लाएंगे और न्यायालय के आदेश के परिपालन में ही किसी कार्यवाही पर आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से अपील की है कि झूठी अफवाहों पर विश्वास न करें। हम सब जनता के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार जनकल्याणकारी, जनहितैषी तथा जनभावनाओं का आदर करने वाली सरकार है। जनता से अपील है कि किसी भ्रम में न आएं।

देश की विभिन्न संस्थाओं और सुप्रीम कोर्ट ने कचरे के निष्पादन के लिए पीथमपुर स्थित फैक्टरी को योग्य स्थान बताया है। विज्ञानियों की निगरानी में ही पूरी प्रक्रिया होगी। सबका जीवन बहुमूल्य है, कोई भी गलत कदम नहीं उठाएं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जनता से आग्रह किया कि गलतफहमी और झूठी बातों से बचें। जनभावनाओं का आदर करते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष समस्त परिस्थितियों एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में अवगत कराया जाएगा। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के अंदर किसी भी प्रकार से किसी नागरिक के जीवन में कोई कष्ट आए, सरकार ऐसा कभी नहीं चाहेगी। सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के माध्यम से यूनियन कार्बाइड के कचरे का निस्तारण करने के लिए जो जगह बताई गई है।

### पीथमपुर में रामकी कंपनी के पास ग्रामीणों ने किया पथराव, पुलिस ने चलाए आंसू गैस के गोले

पीथमपुर।(आरएनएस)। पीथमपुर के रामकी कंपनी में यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने को लेकर शनिवार सुबह भी विरोध जारी रहा। कंपनी के करीब तारपुरा पहाड़ी के करीब ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने इस पर आंसू गैस के गोले छोड़कर उन पर काबू पाने की कोशिश की। पथराव में पुलिस वाहन के कांच फोड़ दिए गए। विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने भी पुलिस वाहन पर पत्थर बरसाए। शनिवार सुबह से हर जगह पुलिस बंदोबस्त लगा रहा। पीथमपुर में शांति बनी हुई है। सुबह सामान्य दिनों की तरह दुकानें खुली। फैक्ट्री पर पथराव के बाद एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने लाउड स्पीकर से ग्रामीणों को दी समझाइश, कानून हाथ में नहीं लेने की भी समझाइश दी। पथराव कर रहे लोगों को खदेड़ कर गांव भेज दिया गया है।

## सिंगरौली में सामूहिक हत्या, सेप्टिक टैंक में मिली 4 डेड बॉडी, क्षेत्र में मचा हड़कम्प

सिंगरौली.(आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली से हृदय विदारक घटना सामने आई है यहां एक घर के सेप्टिक टैंक से 4 लोगों की लाशें मिली हैं. एक साथ चार लाशें मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई और सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची. शवों को सेप्टिक टैंक से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. बताया जा रहा है कि दो मृतकों की शिनाख्त कर ली गई है, जबकि दो की शिनाख्त करने की कोशिश पुलिस कर रही है. सिंगरौली थाना क्षेत्र के बरगवां में शनिवार को सामूहिक हत्या की घटना सामने आई है. यहां बने एक आवासीय मकान के सेप्टिक टैंक से चार लोगों की लाशें बरामद की गई हैं. बताया जा रहा है कि जिस मकान से लाशें मिली हैं वो हरि प्रसाद प्रजापति नाम के शख्स का है. जिसे करीब एक साल पहले बनाया गया था. पता चला है कि हरि प्रसाद प्रजापति का 30 साल का बेटा सुरेश प्रजापति कुछ लोगों के साथ एक जनवरी को यहां पार्टी करने में जुटा था. हालांकि लोगों की मानें तो अगली सुबह लोगों द्वारा सुरेश को घर पर देखा गया था. शनिवार को आस पास के लोगों को सेप्टिक टैंक से दुर्गंध आई तो पास में ही रहने वाले बिहारी प्रजापति को बताया. जब लोगों ने पास जाकर देखा तो सेप्टिक टैंक में लाशें नजर आईं, जिन्हें देखकर लोग दहशत में आ गए. तुरंत घटना की सूचना बरगवां पुलिस को दी गई. जिसके बाद पुलिस टीम व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकलवाया. एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना किया है.

## भारतीय सेना की गाड़ी खाई में गिरी, 2 जवानों की मौत, 3 गंभीर रूप से घायल

जम्मू. (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर से एक बुरी खबर आ रही है. सेना के जवानों से भरा वाहन खाई में गिर गया. इस हादसे में 2 जवानों की मौत हो गई है. वहीं 3 जवान गंभीर रूप से घायल हैं. हादसा स्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. रिपोर्ट के अनुसार यह हादसा जम्मू कश्मीर के बांदीपुरा में हुआ है. आज यानी शनिवार की दोपहर सेना की एक गाड़ी वुलर व्यू पॉइंट से नीचे गिर गई. गाड़ी गहरी खाई में गिर पड़ी, जिससे 2 जवानों की जान चली गई. वहीं 3 जवान घायल हैं, जिन्हें एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया है.

## बीच सड़क पर भिड़े बाबुल सुप्रियो और बीजेपी सांसद अभिजीत गांगुली

**कार ओवरटेक करने को लेकर विवाद**

कोलकाता-(आरएनएस)। कोलकाता के प्रतिष्ठित सेकेंड हुगली ब्रिज पर रात एक राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला, जब बंगाल के मंत्री बाबुल सुप्रियो और बीजेपी सांसद अभिजीत गांगुली आपस में उलझ गए। यह घटना तब हुई जब सुप्रियो हावड़ा स्थित अपने आवास पर वापस जा रहे थे, जब उनके पीछे वाली कार से लगातार हॉर्न बजने से वह नाराज हो गए। सूत्रों ने कहा कि उत्तेजित बाबुल सुप्रियो ने अपना वाहन रोका और अपने पीछे वाली कार के पास आकर अनियमित ड्राइविंग के लिए स्पष्टीकरण मांगा। उन्हें पता चला कि गाड़ी बीजेपी सांसद अभिजीत गांगुली की थी, जो कार में पीछे बैठे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि तनावपूर्ण टकराव हुआ, सुप्रियो ने खतरनाक ड्राइविंग के बारे में मुखर रूप से चिंता व्यक्त की। घटना के वीडियो में पुल पर चल रहे नाटकीय घटनाक्रम के दौरान अभिजीत गांगुली के वाहन के पास भारी भीड़ दिखाई दे रही है। मामला तब और बढ़ गया जब सुप्रियो ने गांगुली पर झगड़े के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। नाराज सुप्रियो ने औपचारिक माफी की मांग करते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है। आसपास मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पास में ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा जल्द ही स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया।

### डीएसपी ने बाथरूम में पेंट उतारकर की महिला के संग की शर्मनाक हरकत, वीडियो वायरल, हुआ गिरफ्तार

बेंगलुरु. (आरएनएस) सोशल मीडिया पर पुलिस अधिकारी का एक शर्मनाक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान और गुस्से में नजर आ रहा है. डीएसपी ने एक युवती का यौन शोषण किया है. जब थाने में इस घिनौने अपराध को अंजाम दिया जा रहा था, उस वक्त किसी ने वीडियो बना लिया. अब सोशल मीडिया पर ये वीडियो जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है. इस मामले में कार्रवाई करते हुए डीएसपी को सस्पेंड करके गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपी डीएसपी की पहचान 58 साल के रामचंद्रप्पा के तौर पर हुई है. जो कि मधुगिरी में तैनात था. वीडियो में वरिष्ठ अधिकारी महिला का शोषण और अनुचित व्यवहार करता हुआ

## बिहार- दुखद हादसा, मोबाइल गेम खेलते-खेलते रेलवे ट्रैक पर पहुंचे 3 बच्चे, ट्रेन से कट कर मौत

पटना.(आरएनएस)। बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में गुरुवार को मोबाइल गेम (पबजी) खेलने में मशगूल तीन किशोरों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. यह दुर्घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर रेल खंड पर मनसा टोला स्थित रॉयल स्कूल के पास हुई. सभी किशोर ईयरफोन लगाए हुए थे और गेम खेलने में इतने मशगूल थे कि उन्हें ट्रेन के आने का पता ही नहीं चला. दुखद बात यह है कि इस ध्यान भटकाव के कारण यह दुर्घटना हुई, जिससे स्थानीय समुदाय सदमे में है. अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं. मृतकों की पहचान रेलवे गुमटी निवासी फुरकान आलम, मनशा टोला निवासी समीर आलम, बारी टोला निवासी हबीबुल्लाह अंसारी के रूप में हुई है. दुर्घटना के बाद सैकड़ों स्थानीय निवासी सदमे और शोक में घटनास्थल पर एकत्र हो गए. पीड़ितों के परिवार अपने बच्चों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए हैं. सदर उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) विवेक दीप और रेलवे पुलिस दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे. गेमिंग के कारण किशोरों का ध्यान भटकना और दुर्घटना स्थल की स्थितियों की जांच की जा रही है.

### वैनिटी वैन को लेकर घिरे प्रशांत किशोर

पटना-शनिवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया जब पटना के गांधी मैदान के पास एक लक्जरी वैनिटी वैन खड़ी देखी गई, जहां जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर इस समय बीपीएससी परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक के आरोप में आमरण अनशन पर हैं। बताया जा रहा है कि यह वाहन, जिसमें कई लक्जरी सुविधाएं हैं, किशोर के विरोध प्रदर्शन स्थल से कुछ सौ मीटर की दूरी पर पार्क किया गया था,

**केजरीवाल पर खूब बरसे अमित शाह**

## कहते थे सरकारी बंगला नहीं लेंगे, जनता के पैसों से बनवा लिया शीशमहल

नई दिल्ली-(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि उन्होंने दिल्लीवासियों के पैसे से शीश महल बनाया और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को हिसाब देने की जरूरत है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कुछ बच्चे मुझसे मिलने मेरे घर आये। मैंने उनसे पूछा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लिए क्या किया है। एक बच्चे ने बताया कि उसने अपने लिए एक बड़ा शीश महल बनवाया है। अमित शाह ने आगे कहा कि जब अरविंद केजरीवाल राजनीति में आए, तो कहा करते थे कि वह सरकारी गाड़ी या सरकारी बंगला नहीं लेंगे; आज उन्होंने दिल्लीवासियों के पैसे से शीश महल बनवाया। केजरीवाल जी, आपको दिल्ली की जनता को हिसाब देना होगा। शाह ने कहा, %जब वह राजनीति में आए थे तो कहा करते थे कि वह सरकारी गाड़ी या सरकारी बंगला नहीं लेंगे। आज उन्होंने दिल्लीवासियों की 45 करोड़ रुपये की 50 हजार गज जमीन पर अपने लिए शीशे का महल बना लिया। केजरीवाल जी, आपको दिल्ली की जनता को जवाब देना होगा। नए कामकाजी महिला छात्रावास ब्लॉक %सुषमा भवन% का आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। छात्रावास का नाम पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वाराज के नाम पर रखा गया है। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री भी रही थी। उद्घाटन कार्यक्रम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सुषमा जी को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में सदैव याद किया जाएगा।

## चीन में एक नई महामारी से फिर दहशत, एचएमपीवी से भारत को भी खतरा, स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी यह एडवाइजरी

नई दिल्ली.(आरएनएस)। कोविड महामारी के पांच साल बाद चीन एक बार फिर संकट में है. चीन में ह्यून मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) फैलने से वहां इमरजेंसी जैसी स्थितियां एक बार फिर बन गई हैं. दुनिया के तमाम देश चीन में फैली महामारी से घबराए हुए और लगातार नजर बनाए हुए हैं. भारत भी चीन की स्थितियों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहा. हालांकि, हेल्थ मिनिस्ट्री के विशेषज्ञों ने फिलहाल भारत को इससे सुरक्षित करार दिया है. एक्सपर्ट्स की मानें तो चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के प्रसार को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है. हालांकि, सांस संबंधी समस्याओं को लेकर सावधानी बरतने की बात कही है. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अधिकारी डॉ. अतुल गोयल ने कहा कि चीन की स्थितियां देखकर या सुनकर घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है. भारत में सांस संबंधी संक्रमण को लेकर सामान्य सावधानी बरतने की जरूरत है. डॉ. गोयल ने कहा- वर्तमान स्थिति को लेकर चिंतित होने की कोई बात नहीं है. एचएमपीवी के लिए कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार नहीं है इसलिए इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए रोकथाम ही महत्वपूर्ण है. डॉ.गोयल ने कहा कि चीन में मेटान्यूमोवायरस के प्रकोप के बारे में मैं बिल्कुल स्पष्ट हूं. मेटान्यूमोवायरस किसी भी अन्य सांस वाले वायरस की तरह है जो सामान्य सर्दी का कारण बनता है और बहुत बूढ़े और बहुत छोटे बच्चों में यह फ्लू जैसे लक्षण पैदा कर सकता है. डॉ.गोयल ने कहा, देश में सांस संबंधी बीमारियों के आंकड़ों का एक्सपर्ट टीम ने विश्लेषण किया है. दिसंबर 2024 के आंकड़ों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है. हमारे किसी भी संस्थान से बड़ी संख्या में कोई मामले सामने नहीं आए हैं. सर्दियों में श्वसन वायरस संक्रमण का प्रकोप वैसे भी बढ़ जाता है जिसके लिए अस्पताल आमतौर पर आपूर्ति और बिस्तरों के साथ तैयार रहते हैं. लोग सामान्य सावधानियां बरतें जो हम

## मस्जिद में घुसा तेंदुआ, नमाजियों के बीच मचा हाहाकार; लोगों ने पकड़कर मार डाला

लक्ष्मीपुर (महराजगंज) (आरएनएस)। महाराजगंज में पिछले एक हफ्ते से तेंदुए के आतंक से लोग परेशान हैं। लोगों का घर से निकला मुश्किल हो गया है। इस बीच लक्ष्मीपुर क्षेत्र के गांव मझौली में सुबह तेंदुआ एक मुस्जिद के अंदर घुस गया, जिससे नमाजियों को जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा।

तेंदुए ने चार नमाजियों पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। वहां मौजूद लोगों ने तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल का इस्तेमाल किया। इस दौरान संदिग्ध परिस्थिति में तेंदुए की मौत हो गई। वन विभाग मामले की जांच कर रहा है।

आपको बता दें कि शनिवार सुबह पांच बजे नमाजी मस्जिद पहुंचकर इबादत कर रहे थे।

## सिविल लाइन थाना के अंदर एसआई ले रहा था रिश्वत, लोकायुक्त ने रंगे हाथ पकड़ा, वर्दी की जब्त

जबलपुर.(नगर प्रतिनिधि) लोकायुक्त पुलिस ने सिविल लाइन थाने में पदस्थ सब-इंस्पेक्टर को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. एसआई का नाम विनोद दुबे है. बाद में उसे सर्किट हाउस ले जाया गया, जहां से उसकी वर्दी भी जब्त की गई है. एसआई ने एक बाइक की खरीद-फरोख्त के मामले में नाम हटाने के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी. बाद में सौदा 5 हजार रुपए में तय हुआ. शिकायतकर्ता शुक्रवार दोपहर रिश्वत की राशि लेकर सिविल लाइन थाने पहुंचा, जहां लोकायुक्त पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एसआई को गिरफ्तार कर लिया.

जबलपुर निवासी जहांगीर खान, जो पुरानी बाइकों की खरीद-बिक्री का काम करता है. उसने शिकायत दर्ज कराई थी. करीब एक महीने पहले, सिविल लाइन थाने में जहांगीर के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया था कि उसने एक ग्राहक की बाइक, जो मरम्मत के लिए आई थी, उसे बनाने के बजाय बेच दिया. मामले की जांच एसआई विनोद दुबे को सौंपी गई थी. एसआई ने कई बार जहांगीर को थाने बुलाया और कहा कि उसके खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है. मामले से बचने के लिए 10 हजार रुपए देने होंगे. उन्होंने वादा किया कि इस राशि के बदले धाराएं कम कर दी जाएंगी और केस से उसका नाम हटा दिया जाएगा. लगभग एक सप्ताह तक सौदेबाजी चलने के बाद, 5 हजार रुपए में मामला तय हुआ. शिकायतकर्ता जहांगीर ने रिश्वत की शिकायत लोकायुक्त एसपी संजय साहू से की. शिकायत की जांच के बाद, शुक्रवार को आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई गई. थाने में काम के दौरान, एसआई विनोद दुबे ने जैसे ही 5 हजार रुपए लिए लोकायुक्त पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. लोकायुक्त पुलिस की गिरफ्त में आए सब-इंस्पेक्टर विनोद दुबे की रिटायरमेंट में केवल डेढ़ साल का समय बचा था. आरक्षक से एसआई तक पहुंचे विनोद दुबे कई बार विवादों में रहे हैं.

### पानी का बिल भरने की जरूरत नहीं, सरकार बनते ही करूंगा माफ-केजरीवाल

नई दिल्ली- आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव 2025 से पहले राष्ट्रीय राजधानी के लोगों से एक और वादा किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप वापस सत्ता में आती है तो राष्ट्रीय राजधानी के लोगों के पानी के बढ़े हुए बिल माफ कर दिए जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार पिछले 10 वर्षों से लोगों को मुफ्त पानी

## तमिलनाडु के सत्तूर इलाके में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 6 लोगों की मौत

तमिलनाडु-(आरएनएस)। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद लगभग छह लोगों की मौत हो गई। अग्निशमन एवं बचाव विभाग के अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। शुरुआती जांच के मुताबिक, आशंका है कि विरुधुनगर के सत्तूर में पटाखा फैक्ट्री में मजदूर पटाखे बनाने के काम में लगे थे तभी यह विस्फोट हुआ है। इस बीच, पुलिस ने अभी तक मृत व्यक्तियों की पहचान की पुष्टि नहीं की है। प्रारंभ में, पुलिस ने तीन व्यक्तियों के शव बरामद किए और बाद में अन्य मृत व्यक्तियों के शव बरामद किए। वहीं एक दिन पहले कोयंबटूर में अविनाशी रोड फ्लाईओवर पर एक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकर पलट गया, जिससे मामूली गैस रिसाव हो गया। कोयंबटूर के जिलाधिकारी क्रांति कुमार पति ने यह जानकारी दी।

## पीथमपुर के मुद्दे पर एमपी हाईकोर्ट में जनहित याचिका, इधर सरकार मांगेगी कचरा जलाने के लिए समय

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) नागरिक उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे और सामाजिक कार्यकर्ता रजत भार्गव ने यूनियन कार्बाइड कचरा निस्तारण मामले में एनजीटी भोपाल में याचिका दायर की है। यह याचिका शनिवार को दायर की गई, जिस पर शीघ्र सुनवाई की मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट में पूर्व से दायर जनहित याचिका पर संज्ञान आधार पर सोमवार को सुनवाई निर्धारित है। इसके साथ इंदौर बेंच में दायर याचिका को संलग्न करके विचार किया जाएगा।

मध्य प्रदेश सरकार हाई कोर्ट में शपथ पत्र देकर यूनियन कार्बाइड के कचरे के निस्तारण के लिए समय मांगेगी। इसके लिए जन जागरण को आधार बनाया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बताया कि हम पूरी कवायद सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार ही कर रहे हैं। हर स्तर पर संवाद किया जा रहा है ताकि किसी प्रकार के कोई भ्रम की स्थिति ना रहे। यूनियन कार्बाइड का भी 10 टन कचरा पूर्व में वहां जलाया जा चुका है और उसके जो निष्कर्ष निकलकर सामने आए थे वह सभी मानकों के अनुरूप थे तभी सुप्रीम कोर्ट ने आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे। अभी कचरा जलाने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इधर उपभोक्ता मंच के नाजपांडे ने अपनी एनजीटी की याचिका में सवाल उठाया है कि यूनियन कार्बाइड कचरे के निस्तारण में नुकसान नहीं होगा,

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बरगी में घायल को उपचार हेतु सुधा मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल गोलबजार में भर्ती कराये जाने की सूचना पर पहुँची पुलिस को मूलचंद बरकड़े उम्र 35 वर्ष निवासी देवद्वार सालीवाड़ा ने बताया कि वह अपने घर में था उसकी भतीजी अंजो घर आकर बतायी कि सोनिया के पापा को उनके घर के पीछे सतीराम बरकड़े ने कुल्हाड़ी से मार दिया है, सोनिया के पापा अपने घर के पीछे पड़े हैं, वह सोनिया के घर के पीछे जाकर देखा सोनिया के पापा घूर सिंह अपने घर के पीछे खून से लथपथ बोरी पर बेहोश हालत मे पड़ा था जिसके गर्दन, सिर, मुंह मे गम्भीर चोटें थीं

### दशम गुरु गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर समरसता सेवा संगठन ने किया विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन

# महापुरुषों ने समय समय पर दिया समरसता का संदेश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सिख पंथ के दशम गुरु गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर समरसता सेवा संगठन द्वारा मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र जामदार, मुख्य वक्ता व्यखायता डॉ पूनम मिश्रा, विशिष्ठ अतिथि गुलशन मखीजा, समरसता सेवा संगठन अध्यक्ष श्री संदीप जैन की उपस्थिति में विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन श्रीराम मंदिर मदनमहल में किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र जामदार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा भारत पर जितने आक्रमण हुए उनमें से 90 प्रतिशत उत्तर पश्चिम से हुए। शक, कुषाण, हूण मुगल, पुर्तगाली, अंग्रेज ने बार बार भारत पर आक्रमण किया क्योंकि यह पुण्य और उपजाऊ भूमि सिर्फ और सिर्फ भारत में रही है इसीलिए पूरे विश्व को नजरे हमारे देश में रही है। पांच नदियों का स्थल जिसे हम पंजाब कहते है वहां की केवल भूमि उपजाऊ नही बल्कि वहां वीर योद्धा भी पैदा हुए। भारत में स्वतंत्रता की क्रांति तो बहुत पहले हुई परन्तु दिल्ली पहुंचते पहुंचते 500 वर्ष लग गए और लंबे कालखंड में हम परातंत्र रहे है। उत्तर भारत में हमारे गुरुओं ने देश की रक्षा के लिए कार्य किया। उनमें से ही दशम गुरु हुए गोविंद सिंह जी हुए जिनके पराक्रम से हम सभी परिचित है और उन्होंने इस देश को पराक्रम और बलिदान की नई दिशा दी।

मुख्य वक्ता डॉ पूनम मिश्रा ने विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा वास्तव में समरसता जिस देश में होती है उस देश का विकास तेजी से होता हैं वैदिक काल से भारत वर्ष ने उदार वादी नीति ही अपनाई है। हमारे महापुरुषों, देवियों ने समरसता का संदेश समय समय पर दिया है और हम भी उसको लेकर आने का प्रयास कर रहे है और आने वाली पीढ़ियां भी एक भाव से समरस हो ऐसा इसके लिए हम आज काम कर रहे है। उन्होंने कहा गुरु गोविंद सिंह जिनकी माता गुजरी और पिता गुरु तेग बहादुर सिंह से राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा ली और 9 वर्ष की आयु में अपने पिता के कटे सिर को देखने के बाद उनकी बहादुरी को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए न केवल खालसा पंथ की स्थापना की अपितु अपनी वाणी, कर्म, वचन, शैली से भारत देश के वीर योद्धाओं को एक करने का कार्य किया। दशम गुरु गोविंद सिंह जी ने स्वयं तो देश के लिए बलिदान दिया साथ थी अपने चार पुत्रों का बलिदान भी दिया ऐसे वीर योद्धा परम ज्ञानी को नमन है।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि श्री गुलशन मखीजा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना और स्वागत उद्बोधन सचिव उज्ज्वल पचौरी ने व्यक्त किया। संगठन वक्ता के रूप में राज भटनागर ने गुरु गोविन्द सिंह जी के जीवनकाल पर विचार व्यक्त किए।

सम्मान ~ कार्यक्रम के दूसरे चरण में सरदार अमरजीत सिंह, इंद्रपाल गोगी, सरदार कुलवीर सिंह, सरदार रणजीत सिंह, सरदार दविंदर सिंह, सरदार सतनाम सिंह राणा, अमरजीत सिंह धनजर, सरदार आरएस चाना, अमरजीत सिंह चड्डा, कर्नल सिंह छाबड़ा, मनप्रीत सिंह काके आनंद, सरदार रामिंद्र सिंह, अजीतपाल सिंह, सरदार परमवीर सिंह का सम्मान किया गया। इस अवसर पर शरद चंद्र पालन, पं ब्रजेश दीक्षित, डॉ केसी सोनकर, जगदीश चोहटेल, रामबाबू विश्वकर्मा, अभिमन्यु जैन, रघुवर कपूर, चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव, विष्णु अग्रवाल, सुनील जैन, डॉ धनंजय नागेश, संतोष राठौर, नवीन हांडा, आलोक पाठक, बिट्टू राय, रजनी कैलाश साहू, पं द्वारका प्रसाद मिश्रा, देशेराज कनोजिया, जागृति शुक्ला, कल्पना तिवारी, प्रीति त्रिपाठी, प्रदीप पटेल, प्रशांत दुबे आदि उपस्थित थे।

# विजयनगर कार हादसे में घायल हुए लोगों से मिलने अस्पताल पहुंचे सांसद आशीष दुबे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने शुक्रवार को विजयनगर में हुए कार हादसे में घायल हुए लोगों से भेंट की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। विदित हो कि उक्त कार हादसे में पांच लोग घायल हो गए थे, जिनमें से 2 घायल अभी अस्पताल में भर्ती हैं।इस हादसे में दो लोगों का निधन भी हो गया था।सांसद आशीष दुबे शनिवार को इस हादसे में घायल अनेन्द्र सिंह और वैशाली नामदेव को देखने शैल्बी और स्वस्तिक अस्पताल पहुंचे और घायलों से मिलकर उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामना दी। सांसद श्री दुबे ने घायलों के परिजनों से भेंट करते हुए घटना के बारे में जानकारी ली और चिकित्सकों को निर्देश दिए कि घायलों को समुचित और बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराई जाए।सांसद श्री दुबे ने संबंधित और उपस्थित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों से भी कहा कि घायलों की स्तिथि पर नज़र रखते हुए उन्हें बेहतर चिकित्सा मिले, यह ध्यान रखा जाए। सांसद श्री आशीष दुबे ने इस दुर्घटना में कालकवलित हुए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए शोक प्रगट किया है।

# अजमेर उर्स हेतु दयोदय एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच लगाने की मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अजमेर शरीफ में चल रहे ख्वाजा गरीब नवाज र.अ. के उर्स के मद्देनज़र भाजपा शहीद अब्दुल हमीद मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने पश्चिम मध्य रेल के प्रबंधक से अजमेर जाने वाली दयोदय एक्सप्रेस ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाए जाने और 12 जनवरी को अजमेर से जबलपुर निरस्त की गई दयोदय एक्सप्रेस को पुन: बहाल करने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि 1 जनवरी से ख्वाजा गरीब नवाज र.अ. के उर्स का आगाज हो गया है। जिसमें जाने वाले जायरीनों की संख्या बहुत अधिक होती है और उन्हें वहां जाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस ट्रेन में लम्बी वेटिंग व परेशानी को दूर करने की दिशा में भाजपा शहीद हमीद मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने पश्चिम मध्य रेल के डीआरएम से अजमेर जाने वाली ट्रेनों में अतिरिक्त कोच के अलावा स्पेशल ट्रेन चलाए जाने की भी मांग की है। डीआरएम ने हर संभव सहायता का आशवाशन दिया। ज्ञापन देते समय मंडल अध्यक्ष अकील अंसारी, जबलपुर वक्फ बोर्ड कोषाध्यक्ष हाजी फरहत कुरैशी, शमीम अंसारी, हाजी हसन खान आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

## एक दिवसीय भागवत कथा एवं सम्मान

जबलपुर । पी एम जी शिक्षा - कला शोध समिति द्वारा खलीफा गनेश जायसवाल के स्मृति जन्मोत्सव पर शहीद स्मारक मैदान में मुक्ताकाशी मंच पर 5 जनवरी को प्रात: 9.30 बजे से एक दिवसीय संगीतमय भागवत कथा सार का आयोजन किया गया है । कथा व्यास पंडित कामता तिवारी हैं । इस अवसर पर विदुषी कथा वाचिका कृष्ण निशा तिवारी, पंडित नित्यनिरंजन खंपरिया, डॉ. राजेन्द्र कुररिया, डॉ. आनंद तिवारी की उपस्थिति में पंडित नारायण गुरु उस्ताद अखाड़ा सदर सहित सुभाष राव नायडू, चिंतामन कश्यप, नेकनारायण सिंह, कौशल यादव एवं बृजेश अग्रवाल का सम्मान किया जाएगा ।

# गुरु गोबिंद सिंहजी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य मे आज प्रेमनगर में लगेगा भव्य कीर्तन दरबार और गुरु का लंगर



### आज से नगर में दो दिवसीय आयोजन शुरु होंगे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। देश धर्म, मानवता और भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षार्थ अपना सर्व वंश बलिदान कर देने वाले खालसा पंथ के सृजक और सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 358 वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष में आज से दो दिवसीय आयोजन शुरू हो रहे हैं। सिख समाज के मीडिया प्रभारी प्रदीप सिंह भोगल के अनुसार आज 5 जनवरी को गुरुद्वारा प्रेमनगर मैदान में श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की पवित्र जयंती प्रात: 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक भव्य कीर्तन दरबार के साथ प्रकाश उत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी । इसमें श्री दरबार साहिब हरिमंदर साहिब अमृतसर पंजाब के हुजूरी रागी जत्था भाई बलविंदर सिंह, भाई जसविंदर सिंह लुधियाना, अखंड कीर्तनी जत्था के साथ ही प्रसिद्ध रागी जत्थे एवं कथाकार गण शिरकत करेंगे । गुरु का लंगर दिनभर वितरित किया जाएगा । आयोजक गुरुद्वारा सदर के प्रधानसाहब सरदार नक्षत्र सिंह गिल, प्रेमनगर प्रधान मंजीत सिंह ननडा, प्रभजोत सिंह, लखबीर सिंह, कौमी सिंह, मंगत सिंह, हरजीत सिंह सूदन, परविंदर सिंह, एच एस रेखी, मदन दुबे एवं प्रबंधक कमेटी ने साथ संगत से उपस्थित एवं सहयोग की अपील की है । प्रकाशोत्सव के अवसर पर श्रद्धालु सेवादारों ने शनिवार को कंपा देने वाली ठंड के बीच रातभर गुरु का लंगर पकाने और तैयार करने हेतु कार सेवा की । पीड़ित मानवता की सेवा हेतु आज यहां ब्लड डोनेशन कैंप भी लगाया जाएगा

**।रांझी में में कीर्तन दरबार 6 को**

जबलपुर/ उपनगरीय क्षेत्र रांझी में 6 जनवरी को प्रकाशोत्सव गुरुपर्व धूमधाम से मनाया जाएगा । जिसमें रागी जत्था भाई जसपाल सिंह, दिल्ली, गुरुवाणी मीमांसक ज्ञानी जयदीप सिंह, फगवाड़ा,पंजाब एवं विभिन्न विद्वतजन शिरकत करेंगे। प्रकाशोत्सव पर रांझी में कुलविंदर सिंह लाम्बा परिवार एवं साध संगत ने कार सेवा के साथ निशान साहिब की सेवा करवाई और भोरवेला में कीर्तनी प्रभातफेरी निकाली गई द्य तेज ठंड के बावजूद यहां छोटे बच्चे भी मौजूद रहे।

**मढ़ाताल में आयोजन**

जबलपुर/ गुरुद्वारा गुरुनानक स्थली मढ़ाताल में 6 जनवरी को प्रात: 6 बजे प्रभातफेरी निकाली जाएगी तदोपरांत प्रात: 9 बजे तक हुजूरी रागी जत्था भाई नरिंदर सिंह एवं साथी साजिंदे गुरुवाणी शबद कीर्तन पेश करेंगे।



## मुस्लिम महिलाओं जश्ने खत्मे बुखारी शरीफ आज

जबलपुर। जश्ने रिदाऐ फजीलत व इफ्ता द्वारा मुस्लिम महिलाओं का जश्ने खत्मे बुखारी शरीफ का आयोजन मुफ्ती-ए-आजम मप्र मुशाहिद रज़ा सिद्दीकी सरपरस्ती में व मुफ्तिया उम्मुल वरा हजारीबाग की ख़िताबत में किया गया है। जश्ने दस्तार मौलाना जीशान रज़ा नईमी द्वारा की जायेगी। उक्तशय की जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक मुफ्ती नईम अख्तर मिस्बाही कादरी ने बताया की कार्यक्रम रविवार 5 जनवरी को रद्दी चौकी स्थित गाजीबाग में प्रात: 9 बजे से संध्या 4 बजे तक आयोजित हैं। समस्त मुस्लिम महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की गई हैं।

### निरंकारी सतगुरु का नववर्ष पर खुशियों और आशीष भरा पावन संदेश

# निरंकार को हर कार्य में सम्मिलित कर आध्यात्मिक जागृति और सच्ची खुशी का विस्तार संभव- निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ''निरंकार को हर कार्य में सम्मिलित कर आध्यात्मिक जागृति और सच्ची खुशी का विस्तार संभव है।'' यह प्रेरणादायक वचन निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा नववर्ष के शुभ अवसर पर दिल्ली स्थित ग्राउंड नम्बर 8, निरंकारी चैक, बुराड़ी रोड में आयोजित विशेष सत्संग समारोह में व्यक्त किए गये। विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए। उक्त नववर्ष के विशेष सत्संग समारोह में ह्ठ्ठ्यद्बठ्ठद्ग तकनीक का सहारा लेते हुए देश के कोने-कोने जिसमें जबलपुर व जबलपुर जोन की ब्रांचों के सभी भक्तों ने नववर्ष के प्रथम दिन सतगुरू माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन व दिव्य प्रेरणादायक प्रवचनों को श्रवण कर आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का सुखद आनंद प्राप्त किया सतगुरु माता जी ने अपने सम्बोधन में फरमाया कि नववर्ष केवल 2024 से 2025 का नम्बर परिवर्तन है। वास्तविकता में यह केवल इंसानी मस्तिष्क की बनाई गई अवधारणा है। निरंकार ने समय और सृष्टि को बनाया है, जिसमें अलग-अलग ग्रहों पर समय की अलग अवधारणा होती है इसलिए, नये वर्ष का अर्थ है हर क्षण को सार्थक बनाना। सच्ची खुशी और आनंद केवल निरंकार में समाहित है। इस नये वर्ष में हमें अपने जीवन को ऐसा बनाना है कि हम हर व्यक्ति तक इस सच्चाई को पहुंचा सकें। हमें अपने जीवन को इस तरह ढालना है कि हर पल, हर कार्य में निरंकार की महत्ता को समझ सकें। सेवा, सुमिरण और संगत का वास्तविक अर्थ तभी प्रकट होगा, जब हम इसे दिल से अपनाएंगे। केवल मित्रता या सामाजिक दबाव के कारण अपनी आध्यात्मिकता में परिवर्तन नहीं करना चाहिए। सच्चे मन और जागरूकता से ही हम अपने जीवन को निरंकार से जोड़ पाएंगे। अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए, हर कार्य में निरंकार को समाहित करना जरूरी है। यही वह मार्ग है, जो हमारे जीवन में आध्यात्मिक जागरूकता और संतोष का विस्तार करता है। इस नये वर्ष में हमें अपने पुराने अनुभवों से सीख लेकर, अपने भीतर की कमियों को सुधारते हुए, अच्छाइयों को अपनाना चाहिए। मानवीय गुणों से युक्त जीवन ही सच्चा जीवन है। सतगुरु माता जी से पूर्व आदरणीय राजपिता जी ने सभी संतों को सम्बोधित करते हुए फरमाया कि आज के समय में समाज और मानव जीवन से परमात्मा की उड़ीक (जिज्ञासा) धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। लोग परमात्मा के अस्तित्व पर संदेह कर रहे हैं और सत्य की राह देखने के बजाय उसे नकारने में लगे हैं। यह स्थिति केवल इसलिए है क्योंकि कई लोग परमात्मा को पाने का दावा करते हैं, लेकिन सच्चे प्रयास नहीं करते। सतगुरु के ज्ञान से हमें जो सत्य प्राप्त हुआ है, वह केवल कहने-सुनने तक सीमित न रहे। यह हमारे जीवन में महसूस हो और ऐसा महके कि समाज के लिए वरदान बन सके। हमारा जीवन परमात्मा की ओर प्रेरित करने वाला बने, न कि दिखावे तक सीमित रहे।

# वटेश्वर धाम क्रिकेट कप का फाइनल मैच आज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरेला जबलपुर समीप पिपरिया ग्राम में प्रत्येक वर्ष युवाओं को नशीले पदार्थों से मुक्त करने हेतु क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रखा जाता है जिसमें क्षेत्र भर की ग्रामीण टीमों को हिस्सा दिया जाता है इस वर्ष एक साथ दो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 15 वर्षी बालको की प्रतियोगिता एवं पंचायत स्तर आयोजन का फाइनल मैच कल सुबह 10 बजे से खेला जाएगा आयोजक समस्त बटेश्वर धाम समिति पिपरिया

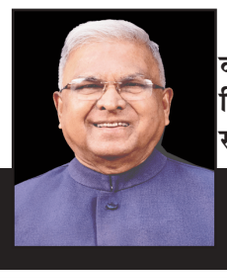

भोपाल-राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि अपने ज्ञान से दूसरों को बड़ा करने में ही शिक्षित व्यक्ति का गौरव है। उसकी शिक्षा का गौरव है। उन्होंने कहा कि आज से 38 वर्ष पूर्व कम्प्यूटर ज्ञान के प्रसार के लिए 'कम्प्यूटर एक परिचय' पुस्तक की रचना कर, लेखक ने अपनी शिक्षा को गौरवान्वित किया है। संपूर्ण समाज को लाभान्वित करने का उनका प्रयास अभिनंदनीय है।

**राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस बाल प्रतिभाओं के विकास का बेहतरीन मंच-राज्य सरकार विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध- मुख्यमंत्री ने किया राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ**

# जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान में अब जुड़ गया है जय अनुसंधान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय विज्ञान और परंपरा के गहरे संबंध हैं। भारत ने हमेशा अपने नेतृत्व से विज्ञान और नवाचार को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच ने भारतीय विज्ञान और अनुसंधान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री ने %जय जवान, जय किसान% का आह्वान कर भारत को एक नई ऊर्जा दी। इस नारे ने न केवल भारत की रक्षा और कृषि को मजबूत किया, बल्कि राष्ट्र को आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित भी किया। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने इस कड़ी में %जय विज्ञान% को जोड़ा, जो भारत की वैज्ञानिक सोच और उपलब्धियों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस श्रृंखला में %जय अनुसंधान% जोड़ते हुए विज्ञान और नवाचार को एक नई दिशा दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान मात्र एक वर्ष में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण करना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। यह उपलब्धि भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य और नेतृत्व की कुशलता को प्रदर्शित करती है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के समय में हुए परमाणु परीक्षण (पोखरण) और प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हुई वैज्ञानिक प्रगति, दोनों ही यह दिखाते हैं कि भारत ने हर चुनौती को अवसर में बदलकर दुनिया के सामने अपनी योग्यता और क्षमता को सिद्ध किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवींद्र भवन में 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस को बाल प्रतिभाओं के विकास का बेहतरीन मंच बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिले के डोंगला में स्थापित वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला में हुए नवीनीकरण कार्य एवं नए उपकरणों के साथ ऑटोमेशन कार्य का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने वीर भारत न्यास के रिसर्च जर्नल %युगयुगीन भारत का पुरोवाक्% का विमोचन किया, साथ ही वीर भारत न्यास द्वारा बनाई गई महादेव फिल्म सीरीज का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जितेन्द्र सिंह का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। वीडियो संदेश में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में आए बच्चों को श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने की प्रेरणा देकर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विज्ञान और संस्कृति का यह समन्वय भारत को एक बार फिर से वैश्विक मंच पर सबसे आगे लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बच्चों और शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत का भविष्य आप सबके हाथों में है। विज्ञान, संस्कृति और परंपरा का संतुलन ही हमारे विकास का आधार है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में 6 खाड़ी देशों और भारत के विभिन्न राज्यों से आये 700 बच्चों और शिक्षकों की भागीदारी ने इसे विशेष और ऐतिहासिक बना दिया है। यह आयोजन नई पीढ़ी को विज्ञान और नवाचार के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डोंगला वेधशाला के ऑटोमेशन के शुभारंभ पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल छात्रों और शोधकर्ताओं के लिये खगोलीय रहस्यों को बेहतर तरीके से समझने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि भारत का खगोल विज्ञान प्राचीन काल से उन्नत थे। उन्होंने कहा कि नवग्रह की पूजा, ज्योतिष और खगोलीय घटनाओं का अध्ययन हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रीनविच समय की अवधारणा को पुनः परिभाषित करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समय और खगोलीय पिण्डों की परिक्रमा का अध्ययन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया था, जिसे आज के परिप्रेक्ष्य में पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता है। रात के बारह बजे दिन की शुरूआत किसी भी दृष्टिकोण से वैज्ञानिक नहीं लगती। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हर हाथ को काम, हर खेत को पानी के साथ अब हर युवा को अनुसंधान के अवसर देने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी कोशिश है कि हम भारत के प्राचीन इतिहास और ज्ञान को न केवल संरक्षित करें, बल्कि इसे आधुनिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करें। विज्ञान और संस्कृति की जुगलबंदी ने भारत को हजारों वर्षों से समृद्ध बनाए रखा। इसे पुनर्परिभाषित करने का समय आ गया है।

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार और वीर भारत न्यास के सचिव डॉ. श्रीराम तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में पहली बार राज्य की प्राचीन भारतीय विरासत, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण और उद्योग-व्यापार के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विज्ञान और संस्कृति को एक साथ जोड़ने के प्रयासों को नई ऊंचाई दी है। इसी क्रम में वीर भारत न्यास द्वारा दो महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। पुरोवाक् रिसर्च जर्नल भारतीय सभ्यता, संस्कृति और इतिहास के विभिन्न आयामों पर केंद्रित होगा। इसका पहला अंक भारत की ऐतिहासिक, पुरातात्विक और समाज वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। यह पत्रिका संस्कृति और विज्ञान के बीच के संबंधों को एक नए दृष्टिकोण से सामने लाने का प्रयास करेगी। वीर भारत यूट्यूब चैनल की नई सीरीज़ %महा देव% शिव से जुड़े ब्रह्मांडीय और वैज्ञानिक पहलुओं पर आधारित है। महादेव का आदि ज्योर्तिलिंग अब तक के 84 कल्पों के महादेवों, ज्योतिर्लिंगों, एकादश रुद्रों, और ब्रह्मांडीय घटनाओं पर आधारित यह प्रस्तुति एक नई सोच को सामने लाएगी।

## प्रदेश के संयुक्त आयुक्त के पास आय से 75 लाख अधिक प्रॉपर्टी मिली

भोपाल (आरएनएस)। दो लाख रुपए की घूस लेते ट्रैप हुए सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त विनोद कुमार सिंह के पास आय से 75 लाख 53 हजार रुपए की अधिक प्रॉपर्टी मिली है। लोकायुक्त की जांच में सामने आया है कि विनोद ने छापे के दिन स पहले अपनी सेवा काल की आय एक करोड़ 77 लाख 53 हजार 574 रुपए होती है। जबकि, उनके पास दो करोड़ 53 लाख छह हजार रुपए ऐ अधिक की प्रॉपर्टी मिली। उन्होंने भ्रष्टाचार से की गई कमाई को चल-अचल संपत्तियों, बीमा, पॉलिसियों, बैंक, एफ्डीआर, सोने-चांदी के आभूषणों गृह उपयोगी सामग्री विलासिता की वस्तुओं में व्यय किया है। अब उनके खिलाफ घूस लेने के साथ आय से अधिक संपत्ति की धारा भी जोड़ी गई है। जांच में आया कि अवैध स्त्रोतों स दिनेश ने अनुपातहीन संपत्ति अर्जित की है।

जानकारी के मुताबिक, आकृति गार्डन निवासी विनोद शर्मा ने 27 सितम्बर 2024 को लोकायुक्त को शिकायत की थी। इसमें बताया था कि वर्तमान में वह विशाल सागर गृह निर्माण समिति मर्यादित भोपाल के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य हैं। उनके खिलाफ प्रदीप पाण्डे ने संस्था में में अनियिमतता करने को लेकर सहकारिता विभाग में शिकायत की थी। जिसका निराकरण करने सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त विनोद कुमार सिंह ने विनोद शर्मा से पांच लाख रुपए घूस मांगी थी। 30 सितम्बर को लोकायुक्त की टीम ने उन्हें दो लाख रुपए की घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा था। लोकायुक्त ने पीसी एक्ट का मामला दर्ज कर उनकी प्रॉपर्टी की जांच शुरु की थी। आरोपी विनोद कुमार सिंह वर्ष 1994 में सहकारिता विभाग में सीधी भर्ती से नियुक्त हुए। ट्रैप कार्यवाही तक वह अविभाजित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में पदस्थ रहे। परिवार में एक पुत्र, दो पुत्री एवं पत्नी संध्या सिंह है भर्ती वर्ष 1994 से ट्रैप दिन तक दिनेश से 22500000 रुपए वेतन के रूप में प्राप्त किया। जिसमें जीपीएफ में 4746426 रुपस जमा होना पाया गया है। इस प्रकार से आरोपी के सकल वेतन से जीपएफराशि कम करने पर करीब 17753574 रुपए वेतन मद में आय प्राप्त किया।

**सावित्री बाई फुले की 194वीं जयंती पर मंत्रालय में 84 शासकीय सेवकों का हुआ विदाई समारोह**

## अपने अनुभव से अन्य लोगों का मार्ग करें प्रशस्त-उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल-(आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि शासकीय सेवा में काम करने के बाद सेवानिवृत्त होना सिर्फ शासकीय कार्य से निवृत्त होना है, अब आप स्वतंत्र होकर कई रचनात्मक कार्य कर सकते हैं और अपने अनुभव से लोगों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने यह बात मप्र अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) की ओर से भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 194वीं जयंती के अवसर पर मप्र मंत्रालयीन सेवा से वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के विदाई समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आप अपना समय भविष्य की नई बुनियाद तैयार करने में लगा सकते हैं।

विदाई समारोह के शुभारंभ पर उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने माता सावित्रीबाई फुले और बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर देश भक्ति गीत और मध्यप्रदेश गायन से कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर माता सावित्रीबाई फुले द्वारा भारत की महिलाओं के लिए किये गये संघर्ष, योगदान व लोकहित में समर्पित जीवन पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने सभी सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को बधाई एवं शुभकानाए दी और दीर्घ आयु, स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि शासकीय कर्मचारियों एवं अधिकारियों का विदाई समारोह अत्यंत सराहनीय कार्य है। सामाजिक दायित्व के निर्वहन के साथ समरसता व भाईचारा और वरिष्ठों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। विदाई समारोह में वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त हुए कुल 84 शासकीय सेवक शामिल हुए। सभी का उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा एवं महानिदेशक आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी श्री जे.एन. कंसोटिया द्वारा शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर श्री जे.एन. कंसोटिया, महानिदेशक आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल, अध्यक्ष अजाक्स मंत्रालय श्री घनश्याम भकोरिया समेत बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।।

## समझौता राशि जमा नहीं करने वाले बिजली उपभोक्ताओं पर होगी कार्यवाही

भोपाल (आरएनएस) मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में सतर्कता एवं अन्य जॉच दलों द्वारा विद्युत चोरी एवं अनधिकृत विद्युत उपयोग करने के मामलों में दर्ज विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 138 के समस्त ऐसे प्रकरणों जिनमें विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा शत-प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि मय समझौता राशि के जमा नहीं की जा रही है, उन प्रकरणों को विशेष न्यायालय में दर्ज कराये जाने की कार्यवाही की जाएगी। इससे संबंधित विशेष न्यायालयों में दर्ज करने पर अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत संबंधित व्यक्ति / उपभोक्ता के विरूद्ध नियमानुसार न्यायालयीन कार्यवाही की जा सकेगी।

कंपनी ने ऐसे सभी उपभोक्ताओं, जिनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 138 के अंतर्गत अनधिकृत विद्युत उपयोग अथवा विद्युत चोरी के मामले दर्ज हैं, से अपील की है कि वे जल्द से जल्द नियमानुसार निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि मय समझौता राशि कंपनी के खाते में जमा करायें और होने वाली कार्यवाही से बचें।

**सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में पश्चिम क्षेत्र इंटर विश्वविद्यालय ( महिला ) शतरंज टूर्नामेंट का शुभारंभ**

## हार-जीत खेल का हिस्सा, खेलों में सहभागिता आवश्यक- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल-(आरएनएस)उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर ऊंचा उठाकर ही देश को तरक्की के पथ पर आगे बढ़ाया जा सकता है। खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, खेलों में सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास और कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वावधान में पश्चिम क्षेत्र इंटर यूनिवर्सिटी (महिला) शतरंज टूर्नामेंट (2024-2025) का सैम यूनिवर्सिटी परिसर भोपाल में माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। टूर्नामेंट में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 60 विश्वविद्यालयों की 255 महिला खिलाड़ी सहभागिता करेंगी। सैम समूह के अध्यक्ष डॉ. हरप्रीत सिंह सलूजा, कुलपति डॉ. एन.के. तिवारी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. तिवारी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी।

## विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किये गए ऊर्जा संरक्षण जागरूकता शिविर

भोपाल-(आरएनएस) ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स इंदौर के अंतर्गत आने वाले टी.एल.एम. उपसंभागो द्वारा विभिन्न शासकीय विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक, सजग और सचेत रहने के लिये सरल भाषा में आवश्यक जानकारियां दी गई एवं विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण संबंधित स्टीकर, पम्पलेट भी वितरित किए गए। एमपी ट्रांसको इंदौर की अधीक्षण अभियंता श्रीमति नीलम खन्ना की पहल और मार्गदर्शन में यह जागरूकता अभियान इंदौर, मंदसौर, राजगढ, छैगांव, जुलवानिया, निमरानी, सुवासरा आदि स्थानों मेंआयोजित किये गये। शिविरों में विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह और उत्सुकतापूर्वक ऊर्जा संरक्षण के महत्व, विद्युत बचाने के तरीके और ऊर्जा संरक्षण के प्रति सभी को प्रेरित करने की आवश्यकता को समझा। विद्यार्थियों ने बारीकी से स्टार रेटिंग वाले फ्रिज, वाशिंग मशीन, पंखे, कूलर आदि के उपयोग से बिजली बचत की प्रक्रिया समझी और ''बिजली का बचत ही बिजली का उत्पादन है'' के स्लोगन को समझते हुये बिजली बचत की शपथ ली।

## निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के अधिकारियों को जारी किए निर्देश

भोपाल-(आरएनएस अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं निरीक्षण प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। जारी आदेश में मुख्य अभियंता और अधीक्षण यंत्री स्तर के अधिकारियों को प्रत्येक माह में कम से कम 8 दिन और कार्यपालन यंत्री स्तर के अधिकारियों को 12 दिन आवश्यक रूप से फील्ड में दौरे करना होगा। कार्यपालन यंत्री को प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार के दिन आपात स्थिति को छोड़ कर मुख्यालय में न रहकर फील्ड में निरीक्षण कार्य करना होगा। निरीक्षण प्रतिवेदन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेषित करना अनिवार्य किया गया है। मुख्य अभियंताओं के दल द्वारा सात परिक्षेत्रों के एक एक जिले के कार्यों का प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चर्तुथ गुरुवार को सॉफ्टवेयर के माध्यम से रेण्डम आधार पर प्रगतिरत परफॉर्मेंस गारंटी के कार्यों की दो-दो सड़के (कम से कम एक आर.डी.सी अथवा राष्ट्रीय राजमार्ग हो) तथा एक भवन (लो.नि.वि/बी.डी.सी) को सम्मिलित करते हुए चिन्हित कर निरीक्षण करवाया जाये, जिसमें गोपनीयता का ध्यान रखा जाये। प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चर्तुथ बुधवार को निरीक्षण के लिये कार्यों एवं अधिकारियों की सूची जारी की जायेगी।

निरीक्षण दल में 2 मुख्य अभियंताओं को रखा जायेगा एवं अधिकारियों को उनके कार्यक्षेत्र से भिन्न कार्यों में निरीक्षण के लिये भेजा जाये। निरीक्षण के दौरान एकत्रित नमूनों का परीक्षण एक सप्ताह में पूर्ण कर इसकी रिपोर्ट भी ऑनलाइन दर्ज कराने की व्यवस्था की जाए। निरीक्षण करने वाले दल के साथ चलित लैब की व्यवस्था परिक्षेत्रीय मुख्य अभियंता के द्वारा की जायेगी। निरीक्षण स्थलों एवं लिए गए नमूना स्थलों की जियो टैग्ड फोटो खींचकर रिपोर्ट के साथ पृथक से अपलोड की जाए। निरीक्षण दल द्वारा प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चर्तुथ शुक्रवार को प्रमुख अभियंता को रिपोर्ट सौंपी जायेगी एवं उसी दिन 4 बजे वीडियोकांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश जारी किये जायें।

## मंत्री सारंग ने करोंद स्थित निर्माणाधीन सीएम राइज़ स्कूल का किया निरीक्षण

भोपाल-(आरएनएस) सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को करोंद स्थित निर्माणाधीन सरदार पटेल सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्य में तेजी लाई जाए और निर्माण में पायी गई कमियों को शीघ्र दूर किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही सहन नहीं की जायेगी और इस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री श्री सारंग ने स्कूल के डिज़ाइन और क्लॉस-रूम के स्पेस को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों की संख्या के अनुसार पर्याप्त स्थान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्कूल के मुख्य भवन में बने कॉरिडोर का भी निरीक्षण किया। कॉरिडोर की चौड़ाई

बच्चों की संख्या के लिहाज से कम होने पर उन्होंने निर्देश दिये कि कॉरिडोर के पास बनी असेंबली एरिया को बंद करने के बजाय खुला रखा जाए, ताकि विद्यार्थियों को पर्याप्त स्थान मिल सके।

मंत्री श्री सारंग ने स्कूल निर्माण में फायर सेफ्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और तय मानकानुसार फायर सेफ्टी की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इसे शीघ्र पूरा किया जाए।

सरदार पटेल सीएम राइज स्कूल का निर्माण लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह स्कूल अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जिससे विद्यार्थियों को एक समृद्ध और सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विद्यालय परिसर में 34 क्लॉस-रूम, लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, किचन स्टोर सहित डायनिंग हॉल, 5 लेब, स्टॉफ रूम सहित विभिन्न सुविधाएँ विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध होंगी।

निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार अहिरवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीडीए श्री प्रदीप जैन, अधीक्षण यंत्री बीडीए श्री यतीश जैन, नगर निगम आयुक्त श्रीमती टीना यादव और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत महाकुम्भ महज एक मेला नहीं, बल्कि करीब डेढ माह तक चलने वाला मिलन और सत्संग का महापर्व है। देश और विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए इस पर्व के विषय में जानना अति आवश्यक है, ताकि वह महाकुम्भ के महात्म्य और मूल को समझ सकें और अधिक से अधिक इसका पुण्य लाभ प्राप्त कर सकें। तीर्थ राज प्रयाग में प्रयाग पुत्र के नाम से फेमस राकेश कुमार शुक्ला ने महाकुम्भ को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ डिजिटल डिटॉक्स होने के साथ साथ पतित को पावन बनाने का पर्व है।

## रुझान बढ़ती गैर-बराबरी का ही संकेत

कॉरपोरेट सेक्टर की उदारता और मौज-मस्ती पर धनी तबके के अधिक खर्च की बढ़ी प्रवृत्ति से एयर लाइन उद्योग में और चमक आएगी। मगर विडंबना यह है कि ये चमक जिस विशाल दलदल के बीच मौजूद है, उसका भुरभुरापन बढ़ता ही जा रहा है। विमानन कंपनियां खुश हैं कि भारत में बिजनेस क्लास में यात्रा करने का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। ट्रेवल एजेंसियां भी खुश हैं। इस क्लास का टिकट कटवाने पर उन्हें ज्यादा कमीशन मिल रहा है। इन एजेंसियों के मुताबिक भारतीय अब विमान यात्रा के बेहतर अनुभव को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। कॉरपोरेट्स अपने अधिकारियों को बेहतर सुविधा देने पर उदारता से खर्च कर रहे हैं। नतीजतन छुट्टियों के इस सीजन में बिजनेस क्लास की टिकट बिक्री में ऑनलाइन ट्रेवल एजेंसी मेक माई ट्रिप के मुताबिक 50 प्रतिशत और क्लीयरट्रिप के मुताबिक 60 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। खासकर जो लोग विदेश यात्राएं करते हैं, उनमें बिजनेस क्लास का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। इस रुझान को देखते हुए देशी और विदेशी विमानन कंपनियां अपने विमानों में इस सुविधा को बढ़ाने में जुटी हैं। और ऐसा सरकारी नीतियों और कॉरपोरेट सेक्टर के अधिक से अधिक वित्तीय कारोबार में शामिल होते जाने के कारण हुआ है। दूसरी तरफ इन नीतियों का ही परिणाम है कि करोड़ों मेहनतकश कर्मचारियों की वास्तविक आय गिरती चली गई है। परिणामस्वरूप उपभोग और मांग बाजार से गायब होते जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक 2019 में दी गई कॉरपोरेट टैक्स छूट से पिछले पांच साल में अतिरिक्त लगभग छह लाख करोड़ रुपये कॉरपोरेट्स की जेब में गए हैं। इस रकम का उत्पादक निवेश करने के बजाय कॉरपोरेट्स ने अपने अधिकारियों की मौज-मस्ती बढ़ाई है। स्पष्टत- ये रुझान बढ़ती गैर-बराबरी का ही संकेत है।

# मणिपुर में माफी कोरा दिखावा न होकर सार्थक बदलाव करें

मणिपुर में जातीय संघर्ष, व्यापक हिंसा एवं अराजक माहौल के लिए पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते साल के आखिरी दिन शांति की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए 'माफी' मांगी है, इस माफी को लेकर राजनीति के गलियारों में व्यापक चर्चा है। क्योंकि इस हिंसा में मई 2023 से 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए है। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है। एन बीरेन सिंह ने माफी मांगते हुए हिंसा के इस लंबे कालखण्ड एवं सिलसिले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी समुदायों से अपील की कि पिछली गलतियों को भुलाकर वे शांति और सौहार्द कायम करें। हालांकि मुख्यमंत्री की इस अपील के अपने मतलब निकाले जा रहे है। कुछ लोगों का कहना है कि यह माफी बहुत पहले मांगी जानी चाहिए थी। कुछ का यह मानना है कि माफी ऐसे समय आई है जब मुख्यमंत्री चौतरफा दबाव में है। विरोधी तो बहुत पहले से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, पिछले कुछ समय से खुद उनके विधायकों और सहयोगियों ने इस माफी को उनकी मजबूरी का परिणाम बताया है। निश्चित ही बीरेन सिंह के लिये माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या केन्द्र को राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए था। अफसोसनाक यह है कि इस मसले पर अक्सर विवाद उभरते रहे और राजनीतिक शख्सियतों के बीच आरोप-प्रत्यारोप अक्सर बेलगाम बोल में तब्दील ही होते रहे, कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया, जो गैरजिम्मेदाराना राजनीति को दर्शाता है। मणिपुर में 3 मई 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर जो हिंसा शुरू हुई वह अभी थमने का नाम नहीं ले रही। कभी अपनी सांस्कृतिक सद्भावना के लिए जाना जाने वाला राज्य अब गहराते विभाजन एवं जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है और लोग लगातार भय में जी रहे हैं। तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा। शांति एवं सद्भावना की तलाश अभी भी जारी है। मणिपुर में जब चंद दरिंदें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ बर्बरतापूर्ण हरकत करते नजर आए तो पूरा प्रांत आक्रोश में आ गया। जनमानस की प्रतिक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था में बहुत महत्व रखती है। न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय किए और न ही शांति स्थापित करने के कोई प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से खेमों में बंटती राजनीतिक उलझन में फंसी रही। सभी दल, नेता एवं सरकार नामुमकिन निशानों की ओर कौमों को दौड़ती रही। यह कौमों के साथ नाइंसाफी होने के साथ अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी। क्योंकि ऐसी दौड़ जहां पहुंचाती है, वहां कामयाबी की मंजिल नहीं, बल्कि मायूसी का गहरा गड्ढा होता है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह स्वीकारोक्ति कि "मैं राज्य में जो कुछ हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन-चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में स्थिति सामान्य हो जाएगी।" प्रश्न है कि मुख्यमंत्री 18 माह के खून-खराबे के बाद अब क्यों माफी मांग रहे हैं? वे क्या संदेश देना चाहते हैं? अगर वह स्थिति को संभालने में नाकाम रहे थे तो उन्हें बहुत पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था। ताकि स्थितियों लगातार इतनी विकराल नहीं होती, इतनी अधिक जनहानि नहीं होती। देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली सामाजिक असुरक्षा, जातीय संघर्ष तथा हिंसा जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए। यूं तो मणिपुर हिंसा में इतने मासूमों की मौत के बाद मुख्यमंत्री के माफी मांगने का कोई औचित्य नजर नहीं आ रहा। इसीलिये विपक्ष दल एवं कांग्रेस उन पर और केन्द्र सरकार पर हमलावर है। 19 महीनों में एन.बीरेन असंवेदनशील बने रहे और वर्ष के अंत में उन्होंने माफी मांगकर किस संवेदनशीलता का परिचय दिया है? अब सवाल यह है कि त्रासदी का अंत कैसे हो? कैसे शांति स्थापित हो? जरूरत है मनुष्य को बांटे नहीं, सत्य को ढंके नहीं। बड़ा सवाल यह है कि राज्य द्वारा माफ़ी मांगना केवल दिखावा है और राजनीतिक अपयश निवारण और क्षतिपूर्ति की आवश्यकता मात्र है या किसी सार्थक बदलाव की बुनियाद। हालांकि इस तरह की राजनीतिक माफी अक्सर संदेहास्पद ही होती है क्योंकि माफ़ी में इससे कहीं अधिक की क्षमता होती है। सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने वाले नेताओं की संख्या में वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय एवं चिन्तनीय रही है। माफ़ी मांगना एक ऐसी युक्ति है जिसका इस्तेमाल नेता अब अक्सर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिये करते हैं, ताकि वे कम से कम लागत पर अपनी गलतियों को पीछे छोड़ सकें या उनसे पीछा छूडा सके। लेकिन बीरेन सिंह की माफी की अच्छी बात यह है कि तमाम दबावों के बाद ही सही, राजनीति और समाज के हर प्रमुख हिस्से ने उनकी माफी को सकारात्मक कदम माना है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस माफी की पहल को विश्वसनीय बनाया जाये एवं ऐसे उपयोगी एवं जरूरी कदम उठाए जाये ताकि मणिपुर राज्य में मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी जनजातीय समुदायों के बीच चला आ रहा टकराव विराम पा जाये।

## भारतीय समानांतर सिनेमा का पिता श्याम बेनेगल

अजय कुमार शर्मा

अपनी पहली ही फिल्म %अंकुर' से हिन्दी सिनेमा को सृजनात्मक सिनेमाई अभिव्यक्ति की एक नई, सुंदर और सार्थक पूंजी देने वाले श्याम बेनेगल का अवसान हिन्दी सिने इतिहास के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण काल का मानो पटाक्षेप है।

उन्हें भारतीय समानांतर सिनेमा का पिता कहा गया लेकिन वह उससे कहीं ज्यादा थे। हालांकि वह स्वयं समानांतर सिनेमा शब्द से सहमत नहीं थे। 2009 में बीबीसी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, %यह सिनेमा मुख्य सिनेमा से हट कर है, या इस तरह की फिल्मों से मनोरंजन नहीं होता। मैं इस तरह की बातों से कभी सहमत नहीं रहा। हर निर्माता-निर्देशक का फिल्म बनाने का अलग तरीका होता है। मुझे लगा कि आम ढर्रे की फिल्मों में कुछ अलग करने का स्कोप नहीं तो मैंने यह रास्ता चुना।' गैर-हिन्दीभाषी होते हुए भी हिन्दी फिल्म बनाने वाले श्याम बेनेगल के सिनेमा को किसी खास खांचे में डाल कर वर्गीकृत करना बड़ा मुश्किल है। यह टाइप होकर भी टाइप्ड नहीं है और लाउड होकर भी लाउड नहीं है। समानांतर सिनेमा आंदोलन के दौरान बेनेगल द्वारा निर्देशित फिल्मों- %अंकुर' (1974), %चरनदास चोर' (1975), %निशांत' (1975), %मंथन' (1976), %भूमिका' (1977), %कोंडूरा', %जुनून' (1978), %कलयुग' (1981),%आरोहण' (1982), %मंडी' (1983), %त्रिकाल' (1985), %सुष्मन' (1987), %अन्तरनाद' (1991), %सूरज का सातवां घोड़ा' (1993) आदि तो महत्त्वपूर्ण हैं ही, बल्कि इस दौर के बीतने के बाद भी उन्होंने मम्मो (1994), सरदारी बेगम, द मेकिंग ऑफ द महात्मा (1996), समर (1999), हरी भरी, जुबैदा (2000) जैसी अनेक सार्थक फिल्में भी बनाई। दूरदर्शन के लिए %यात्रा', %कथा सागर', %अमरावती की कथाएं', %भारत एक खोज' जैसे चर्चित धारावाहिक भी बनाए।

## स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

ललित गर्ग ।

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है।

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है।

## पर्यटकों की बढ़ती संख्या के नाते यूपी सर्वाधिक लाभान्वित राज्य

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के साथ हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी बूम पर है। हॉस्पिटैलिटी और इससे जुड़े सेक्टर्स में लगातार रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के नाते स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश सर्वाधिक लाभान्वित राज्य है। ग्लोबल हायरिंग इनडीड की एक रिपोर्ट के अनुसार 2023 में टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की रिक्तियों में 50 फीसद की वृद्धि देखी गई। अगले कुछ वर्षों तक इसमें 24 फीसद तक की और वृद्धि संभव है। इसका स्वाभाविक लाभ अयोध्या, वाराणसी, ब्रज और जेवर आदि और इनके आसपास के शहरों को मिलेगा। मसलन, राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद से ही अयोध्या हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का पसंदीदा स्थल बन कर उभरा है। कई नामचीन ब्रांड वहां होटल बनाने को लालायित हैं। ताज सहित दो दर्जन से अधिक होटलों के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है। स्थानीय होटल भी अपनी क्षमता के अनुसार अपनी प्रॉपर्टी के विस्तार और बेहतरी में लगे हैं। अयोध्या तो इसका उदाहरण मात्र है। पर्यटकों की पसंद की अन्य जगहों पर भी कमोबेश यही स्थित है।

## देश में बेरोजगारी की दर चिंताजनक

शशि झा

बेरोजगारी का मुद्दा 2014 से ही, जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार केंद्र में सत्तासीन हुई, नासूर बनता रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढने के बावजूद बेरोजगारी को लेकर विपक्षी दल भी लगातार हमलावर रहे हैं, और सरकार अक्सर बचाव की मुद्रा में खड़ी नजर आई है। सरकार का दावा है कि स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी उसकी नीतियों और कार्यक्रमों या अंतरिक्ष और रक्षा सेक्टरों में सुधार के केंद्र में महिलाओं समेत देश की युवा आबादी है पर सरकारी आंकड़े ही उसके दावों की पोल खोलते नजर आते हैं। नवम्बर के आखिर में लोक सभा में एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-24 में भारत में 15-29 वर्ष के युवाओं के बीच बेरोजगारी दर 10.2 फीसद थी।

विडंबना यह है कि एक तरफ जहां देश में बेरोजगारी की दर चिंताजनक है, वहीं केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में लाखों रिक्तियां खाली पड़ी हैं, जिन्हें भरा नहीं जा रहा है। इनमें इसरो, रेलवे, गृह मंत्रालय जैसे अहम मंत्रालय और विभाग भी शामिल हैं। सुरक्षा ढांचा और इससे जुड़े बलों में बड़े स्तर पर पदों को न भरे जाने की वजह से पिछले दिनों संसद की सुरक्षा में सेंध लगने की भी खबरें आई। बेरोजगारी की समस्या के इतने गंभीर होने के बावजूद रिक्तियों को भरने की जगह बड़ी संख्या में सरकारी विभागों में निम्न श्रेणी में संविदा पर कर्मचारियों जबकि वरिष्ठ पदों पर सलाहकारों की भर्ती से काम चलाया जाता है।

सरकार बेशक, दावा करती रही है कि पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना निरंतर प्रक्रिया रही है, और उनके विवरण संबंधित मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (एसएससी), रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (आरआरबी), इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आईबीपीएस) आदि जैसी संबंधित रिक्रूटमेंट एजेंसियों के पास होते हैं। सरकार समय-समय पर और समयबद्ध तरीके से मिशन मोड में उन्हें भरने के लिए मंत्रालयों और विभागों को निर्देश देती रहती है, और इसी क्रम में उन्हें भरने के लिए रोजगार मेलों का देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में आयोजन करती रहती है। हाल में आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार, देश के लगभग 80 विभागों में लगभग 10 लाख से अधिक पद रिक्त हैं। इनमें इसरो, रेलवे, गृह मंत्रालय जैसे अहम मंत्रालय और विभाग शामिल हैं।

## हर 12 साल पर ही क्यों होता है महाकुंभ मेले का आयोजन, जानिए इसके पीछे का रहस्य

उत्तर प्रदेश की संगम नगरी यानी की प्रयागराज में महाकुंभ मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। मेले के आयोजन के लिए हर तरफ किसी न किसी चीज का निर्माण हो रहा है। महाकुंभ मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में से एक है और हिंदू धर्म में इसको काफी पवित्र माना जाता है। प्रयागराज में गंगा यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम पर महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। लेकिन कई लोगों के मन में यह सवाल होता है कि आखिर हर 12 साल के बाद ही महाकुंभ का आयोजन क्यों होता है। वहीं इसके पीछे क्या मान्यता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको महाकुंभ मेले से जुड़े कुछ सवालों के जवाब देने जा रहे हैं। यूपी के प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से लेकर 26 फरवरी 2025 तक महाकुंभ मेले का आयोजन होगा। इस महाकुंभ में देश-दुनिया से करोड़ों लोग शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचते हैं। महाकुंभ मेले के दौरान प्रयागराज में संगम तट पर नहाने का अपना ही महत्व है। प्रयागराज के संगम तट पर स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं।

## ग्रामीण महिलाओं के समृद्धि की ओर बढ़ते कदम

0-सोनिया परिहार

प्रदेश सरकार का महिला मिशन महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक विकास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। सरकार ने महिलाओं के समग्र विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। इस मिशन के तहत, महिलाओं को उद्यमिता, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अधिक अवसर दिये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) ने ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं का प्रभाव ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत गरीब परिवार के लगभग 62 लाख सदस्यों को, लगभग 5 लाख स्व-सहायता समूहों से जोडा गया है। इनमें से लगभग 15 लाख परिवारों की सालाना आय न्यूनतम 1 लाख से अधिक अथवा करीब 10-12 हजार रुपये महीने तक पहुंची है। यह आंकडे मध्यप्रदेश में आर्थिक उन्नयन के प्रयासों की सफलता को दर्शाते हैं।

0-समूहों के माध्यम से छोटे-छोटे व्यवसायों की शुरुआत-इस मिशन के तहत महिलाओं को स्व सहायता समूह बनाकर कई प्रकार के व्यवसायों की शुरुआत करने का अवसर मिला। इन व्यवसायों में स्कूली ड्रेस सिलाई, पोषण आहार का संचालन, टोल टैक्स बैरियर प्रबंधन, राशन की दुकानों का संचालन, जल प्रबंधन, पंचायतों में कर संग्रहण और सड़कों के रख-रखाव जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। इससे महिला सशक्तिकरण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली। मिशन के समूहों से जुड़े परिवारों को आजीविका के एक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराने के लिये लगातार प्रशिक्षण, मार्गदर्शन के साथ-साथ वित्तीय सहयोग भी दिया जा रहा है।

विगत एक वर्ष में मिशन के अंतर्गत 48,655 महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही 479 ग्राम संगठन (व्ही.ओ.) और 35 संकुल स्तरीय संगठन (सी.एल.एफ) स्थापित किए गए हैं, जो ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान में योगदान दे रहे हैं।

मिशन ने 21,860 स्व-सहायता समूहों को कुल 43.57 करोड़ रुपये परिक्रामी निधि (रिवाल्विंग फण्ड) और 14,657 समूहों को 129.92 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) प्रदान की है। इसके अलावा, विभिन्न बैंकों से 1,38,192 समूहों को 3,115 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त हुआ है, जो इन समूहों के आर्थिक विकास में सहायक बन रहा है।

0-नवीनतम तकनीकी और उद्योग आधारित आजीविका अवसर-स्वयं सहायता समूहों को स्थायी व्यवसाय और आजीविका के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी योजना प्रारम्भ की गयी। यह योजना महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि प्रयोजनों के लिए किसानों को ड्रोन किराए पर देने में सक्षम बनाती है नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नवीन तरल उर्वरकों के पत्तों पर छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग से कृषि में उन्नत तकनीक की शुरुआत करती है। योजना मे इस वर्ष प्रदेश की 89 महिलाओं को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, फर्टिलाइजर कंपनियों द्वारा ड्रोन भी उपलब्ध कराए गए हैं, जो कृषि कार्यों में आधुनिक तकनीकी का उपयोग बढ़ा रहे हैं।

0-कृषि और पशुपालन में नई दिशा-कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादनतथा गैर वानकी लघु वनोपज संग्रहणके क्षेत्र में भी आजीविका मिशन द्वारा बडे पैमाने पर समूह सदस्यों को संगठित कर प्रोड्यूसर कंपनियों से जोड कर लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में गठित 135 प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से कृषि, कुक्कुट पालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, लघु वनोपज आदि के क्षेत्र में नई क्रांति लाने में कामयावी मिली है।

मध्यप्रदेश में आजीविका मिशन द्वारा 2,84,000 परिवारों को कृषि और पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया है। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 10.83 लाख टन अनाज का उपार्जन किया गया है, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सका है। इसके अलावा, 7 किसान उत्पादक कंपनियों का गठन किया गया है, जिनमें 928 समूह सदस्यों को जोड़ा गया है। ये कंपनियां किसानों को उनके उत्पादों के बेहतर विपणन और मूल्य में वृद्धि के लिए सहायता प्रदान कर रही हैं। 0-दीदी कैफे-केन्द्र सरकार के सौ दिनों में लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य मिलने के बाद मध्यप्रदेश में 96 हजार 240 बहनें लखपति दीदी बन गईं। इनको मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से वित्तीय सहायता, बाज़ार सहायता एवं तकनीकी सहायता दी गई है। इनके स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की पहुंच बड़े बाजारों तक बनाने के लिये डिजीटल प्लेटफार्म पर लाकर ऑनलाईन मार्केटिंग की जा रही है। प्रदेश में लगभग 46,000 परिवारों को गैर कृषि आधारित लघु उद्यम गतिविधियों से जोड़ा गया है और 20 नए दीदी कैफे की शुरुआत की गई है। इन कैफे के माध्यम से महिलाएं अपनी आजीविका चला रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में नई रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। यह गर्व का विषय है कि 25 अगस्त 2024 को जलगांव (महाराष्ट्र) में हुए लखपति दीदी सम्मेलन मे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुना जिले की लखपति दीदी श्रीमती गंगा अहिरवार को सम्मानित किया गया । 0-आजीविका मार्ट और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना-आजीविका मार्ट, भोपाल द्वारा पिछले एक वर्ष में 9.73 करोड़ रुपये की बिक्री की गई है, जो ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को बाजार में स्थापित करने का एक सफल उदाहरण है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (क्रूरूस्नरूश्व) के तहत 1,217 समूह सदस्यों को 348.38 लाख रुपये का सीड कैपिटल अनुदान प्रदान किया गया है, जिससे उनके छोटे-छोटे खाद्य प्रसंस्करण उद्यम को बढ़ावा मिला है। 0-लखपति दीदी और मिलेट आधारित आजीविका संवर्धन-लखपति दीदी इनिशिएटिव कार्यक्रम के तहत 13.69 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है,

## -:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: आज किसी सोच में गुम रह सकते है, इससे आपके काम की गति धीमी होगी। किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना आपको धन की प्राप्ति होगी। आज किसी जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

वृष राशि: आज कामकाज में आप थोड़े बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीदें होगी जिन पर आप खरे उतरेंगे । लम्बे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

मिथुन राशि: आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। आप कोई जरुरी घरेलू काम निपटाने में सफल रहेंगे। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। आपको रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। जो लोग मार्केटिंग के काम से जुड़े हैं,

कर्क राशि: आज आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कार्यों में लगायेंगे। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिलेगी। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से फल की प्राप्ति होगी। अगर आप बिजनेस में अनुभवी लोगों की सलाह लेकर आग बढ़ेंगे,

सिंह राशि: आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। आज कार्यक्षेत्र में आपको पुरानी पहचान का फायदा मिलेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ फील करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए।

तुला राशि: आज आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। ऑफिस में उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपको किसी से कोई उपहार मिलेगा। इससे आपका मन खुश रहेगा। आज परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा।

धनु राशि: आज आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। करियर को आगे बढ़ने में आपको अपने गुरु का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह के समय टहलना चाहिए।

मकर राशि: आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ेंगे।

कुंभ राशि: आज आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है। आज नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है।

मीन राशि: सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे।

दिल्ली के उपराज्यपाल ( एलजी ) वीके सक्सेना ने अतिरिक्त शुल्क के अधीन दिल्ली वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ( सीईओ ) के रूप में अजीमुल हक की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह कदम 28 नवंबर, 2024 के बाद से महत्वपूर्ण रिक्तियों को भरने में आप सरकार की कथित लापरवाही पर एलजी की तीखी आलोचना के मद्देनजर उठाया गया है। सीईओ की नियुक्ति में देरी के कारण वक्फ बोर्ड के महत्वपूर्ण कार्यों को निलंबित कर दिया गया, जिसमें इमामों और मुतवल्लियों को वेतन का वितरण भी शामिल था।

# आप सरकार ने किसानों के हित में मौजूद केंद्र की योजनाओं को लागू होने से रोका : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (आरएनएस) । केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार में किसानों के लिए कोई संवेदना नहीं है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने गुरुवार को सीएम आतिशी को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने किसानों के हित में केंद्र की योजनाओं को लागू करने से रोका गया है। आतिशी को लिखे पत्र में शिवराज ने कहा, अत्यंत दुख के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूं। आप ने दिल्ली में किसानों के हित में कभी उचित निर्णय नहीं लिए। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को भी आप की सरकार द्वारा दिल्ली में लागू करने से रोका गया है। आपकी सरकार में किसानों के लिए कोई संवेदना नहीं है। आज दिल्ली के किसान भाई-बहन परेशान और चिंतित है। दिल्ली सरकार द्वारा केंद्र की अनेक किसान कल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं किये जाने से किसान भाई-बहन इन योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। मैंने पूर्व में भी आपको पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया था लेकिन यह चिंता का विषय है कि आपकी सरकार ने इन समस्याओं का कोई निराकरण नहीं किया है।

उन्होंने आगे कहा कि विगत 10 वर्षों से दिल्ली में आप की सरकार है लेकिन सदैव यह प्रतीत हुआ है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किसान भाई बहनो के साथ सिर्फ धोखा किया है और चुनावों से पहले बड़ी बड़ी घोषणाएं कर उनका राजनीतिक लाभ लिया है। केजरीवाल ने सरकार में आते ही हमेशा जनहितैषी निर्णयों को लेने के स्थान पर अपना रोना रोया है। आपकी सरकार के गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण केंद्र सरकार के एकीकृत बागवानी विकास मिशन को लागू नहीं किया गया है। मिशन के लागू न होने से किसान भाई-बहन नर्सरी और टिशू कल्चर की स्थापना, रोपण सामग्री की आपूर्ति, फसल उपरांत प्रबंधन के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, नए बाग, पाली हाउस एवं कोल्ड चैन की सब्सिडी सहित अनेक योजनाओं के लाभ नहीं ले पा रहे हैं। पत्र में आगे लिखा गया है, आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के द्वारा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय कृषि विकास योजना को भी लागू नहीं किया गया है। इस योजना को लागू नहीं करने से किसान भाई बहनों का नुकसान हुआ है, क्योंकि इस योजना के माध्यम से राज्य अपनी विशिष्ट परियोजनाएं शुरू कर सकते हैं। साथ ही केंद्र की अन्य परियोजनाओं को शामिल करने की स्वतंत्रता भी मिलती है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना को लागू नहीं होने के कारण कृषि मशीनीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, फसल अवशेष प्रबंधन, परंपरागत कृषि विकास योजना, कृषि वानिकी और फसल डायवर्सिफिकेशन के लिए सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ दिल्ली के किसान नहीं ले पा रहे हैं। केंद्र सरकार के बीज ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत बीजों के वितरण, बीज परीक्षण, प्रयोगशालाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, बीज प्रमाणीकरण एजेंसियों की सहायता, बीजों की पारंपरिक किस्म के लिए सहायता और बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी जैसे लाभ मिलते है लेकिन यह चिंताजनक है कि आप की सरकार के द्वारा बीज ग्राम कार्यक्रम को दिल्ली में लागू नहीं किया गया और यहां के किसान भाई बहन बीज ग्राम कार्यक्रम के लाभ से वंचित हो रहे हैं। दिल्ली में न सिर्फ केंद्र सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं को आपने लागू नहीं किया है बल्कि आपकी नीतियां भी कृषि एवं किसान विरोधी रही है।

शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, मुझे दिल्ली के किसानों ने बताया है कि दिल्ली में किसानों के ट्रैक्टर, हार्वेस्टर जैसे आवश्यक कृषि उपकरणों का पंजीकरण कमर्शियल व्हीकल श्रेणी में किया जा रहा है जिससे किसानों को अधिक दाम में अपने कृषि उपकरण खरीदने पड़ रहे हैं। आप फ्री बिजली की बात करती हैं लेकिन दिल्ली में आप की सरकार ने किसानों के लिए उच्च बिजली दरें निर्धारित कर रखी है।

महाराष्ट्र के रा%यपाल सी. पी. राधाकृष्णन मुंबई के गोरेगांव में रा%य रिजर्व पुलिस बल मैदान में महाराष्ट्र पुलिस द्वारा आयोजित महाराष्ट्र पुलिस स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में नए साल की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की.

# किसानों को महाराष्ट्र सरकार का बड़ा तोहफा, वापस मिलेगी जमीन

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र सरकार द्वारा लिए गए फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए साल की शुरुआत में किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रदेश सरकार 963 किसानों को उनकी जमीन वापस करेगी, जो सरकार द्वारा उनके ऊपर सरकारी बकाया न चुकाए जाने के कारण जब्त कर ली गई थी।

चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया है कि 963 किसानों को जमीन वापस की जाएगी। यह एक अहम कदम है, जिसे राज्य सरकार ने किसानों की भलाई के लिए उठाया है। किसानों की यह जमीन वापसी उनके लिए एक बड़ी राहत होगी और इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

शरद पवार और अजीत पवार के एनसीपी के विलय के बारे में पूछे जाने पर बावनकुले ने कहा कि अगर परिवार एक साथ आता है तो यह एक अच्छी बात है और वह इसका स्वागत करते हैं। यह राजनीतिक एकता का संकेत है और इससे राज्य में विकास की संभावनाएं मजबूत होंगी। बावनकुले ने पीएम नरेंद्र मोदी के वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली में एक कॉलेज का शिलान्यास करने की बात भी की। उन्होंने कहा कि यह महाराष्ट्र के लिए गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी वीर सावरकर के नाम पर कॉलेज का शिलान्यास करने जा रहे हैं, इसके लिए हम प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हैं। वीर सावरकर महाराष्ट्र के गौरव हैं, लेकिन कांग्रेस उन्हें अपमानित करती रही है और उद्धव ठाकरे सत्ता की खातिर इस पर चुप हैं।

लालू प्रसाद यादव के बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार गिराने का प्रस्ताव देने पर बावनकुले ने कहा कि जो कुछ संजय राउत और लालू प्रसाद यादव कह रहे हैं, वो शायद उन्होंने अपने सपनों में सुना होगा। उनका यह बयान बेइमानी और अव्यावहारिक है।

**लालू के खुले ऑफर के बाद केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा, हम एनडीए में मजबूती से हैं**

पटना (आरएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ आने के खुले ऑफर दिए जाने के बाद बिहार की सियासत गर्म हो गयी है। हालांकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राजद अध्यक्ष के इस बयान से इत्तेफाक नहीं रखते हुए कहा कि आप लोग पूछते रहते हैं, वह इस कारण बोल दिए होंगे। इधर, जदयू के नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का भी कहना है कि हम लोग एनडीए में हैं।

दरअसल, राजद के अध्यक्ष ने अपने एक साक्षात्कार में कहा कि नीतीश कुमार के लिए दरवाजे खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को हम माफ कर देंगे। उनके साथ मिलकर एक बार फिर से काम करेंगे। लालू यादव के इस बयान को लेकर प्रदेश की सियासत में चर्चा का बाजार गर्म है।

इस बीच, जब बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव से इस बयान को लेकर जब पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कहा, आप लोग पूछते रहते हैं,

## बिहार में तेज पछुआ हवा ने लोगों को ठंड से ठिठुराया, स्कूलों के भी समय बदले

पटना (आरएनएस)। तेज पछुआ हवा ने बिहार के अधिकतर इलाकों के लोगों को ठिठुरा दिया है। इसकी वजह से लोगों को गलन और कनकनी महसूस हो रही है। राजधानी पटना सहित अन्य इलाकों के न्यूनतम तापमान में गिरावट आने के साथ ठंड में वृद्धि दर्ज की गई है।

पटना में बुधवार को अधिकतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में कमी के कारण सुबह और शाम में कनकनी का प्रभाव बना हुआ है। इधर, ठंड के कारण पटना के स्कूलों के समय में भी परिवर्तन किया गया है। पटना जिले में अधिक ठंड तथा विशेष रूप से सुबह और शाम के समय कम तापमान की स्थिति है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने छह जनवरी तक सभी निजी, सरकारी विद्यालयों सहित आंगनबाड़ी केंद्रों में सभी कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न नौ बजे से पहले एवं अपराह्न चार बजे के बाद संचालन पर रोक लगा दिया है। हालांकि प्री-बोर्ड, बोर्ड की परीक्षा हेतु संचालित किए जाने वाली विशेष कक्षाओं, परीक्षाओं का संचालन इससे मुक्त रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान नई दिल्ली में जम्मू कश्मीर और लद्दाख- थ्रू द एजेस पुस्तक के विमोचन समारोह में शामिल हुए.

## भागलपुर में विकास योजनाओं को इस वर्ष देंगे उचित आकार : नवल किशोर चौधरी

भागलपुर (आरएनएस)। 2025 में भागलपुर कई विकास योजनाओं को आकार लेते दिखेगा। इसमें विक्रमशिला विश्वविद्यालय, उद्योग, खेल, रेलवे से जुड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। भागलपुर के डीएम नवल किशोर चौधरी ने बुधवार को आईएएनएस से बातचीत के दौरान इन योजनाओं से आम लोगों को होने वाली सहूलियत पर चर्चा की।

बोले, विक्रमशिला विश्वविद्यालय की घोषणा हो चुकी है और हम लोगों ने विश्वविद्यालय के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। विक्रमशिला विश्वविद्यालय में पढ़ाई शुरू कराने के लिए हम लोगों का प्रयास रहेगा। इसके लिए हम लोगों ने अस्थायी रूप से बिल्डिंग को सर्च कर लिया है। विभाग की ओर से मिले निर्देश के अनुसार हम लोग काम करेंगे। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि पिछली बार हमने कई योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन वे आकार नहीं ले पाईं। मेरा पूरा प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि हम सभी योजनाओं को उचित आकार दें। इसके अलावा एक नए रेल पुल के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को कागज पर पूरा किया जा रहा है।

# श्रीलंका ने रिहा किए 20 भारतीय मछुआरे, स्वदेश लौटे

चेन्नई (आरएनएस)। श्रीलंका की जेलों से रिहा किए गए 20 भारतीय मछुआरे विमान से चेन्नई पहुंच गए हैं। मछुआरों को एक साल पहले श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया था। वे तमिलनाडु के पुडुकोट्टई, रामनाथपुरम और तूतूकुड़ी जिलों के निवासी हैं और श्रीलंका की जेलों में थे।

भारत और श्रीलंका सरकार के बीच बातचीत के बाद श्रीलंका ने 20 मछुआरों को रिहा कर दिया। उन्हें भारतीय दूतावास के अधिकारियों को सौंप दिया गया, जिन्होंने उन्हें अस्थायी नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए। इसके बाद मछुआरों को कोलंबो से चेन्नई हवाई अड्डे पर ले जाया गया।

चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचने पर मछुआरों को नागरिकता सत्यापन, सीमा शुल्क जांच और अन्य औपचारिकताओं से गुजरना पड़ा। इसके बाद मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और उन्हें अलग-अलग वाहनों से उनके गृहनगर पहुंचाने की व्यवस्था की।

ज्ञात हो कि तमिलनाडु के मछुआरा संघ राज्य के मछुआरों की नियमित गिरफ्तारी के बाद तटीय जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर उनसे आग्रह किया है कि वे हस्तक्षेप करें और बीच समुद्र में मशीनी नावों की जब्ती और गिरफ्तारी को रोकें, जो मछुआरों की आजीविका की रीढ़ हैं।

केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में इस मुद्दे पर श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके से बातचीत की थी, जिसमें उन्होंने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की बार-बार गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया।

## भारत और पाकिस्तान ने अपने परमाणु ठिकानों की सूची एक-दूसरे को सौंपी, एमईए ने दी जानकारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और पाकिस्तान ने एक बार फिर परमाणु सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए बुधवार को एक-दूसरे को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची सौंपी। यह दोनों देशों के बीच एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों ने आज नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के माध्यम से परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध पर समझौते के तहत आने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह समझौता दोनों देशों के बीच 1991 से लागू है और इसके तहत दोनों देश हर साल जनवरी में एक-दूसरे को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची देते हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। हालांकि, दोनों देशों के बीच कई मुद्दे अभी भी बाकी हैं जिन पर बातचीत की जरूरत है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की.

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा अन्य नेताओं के साथ पटना के एसके मेमोरियल हॉल में पार्टी के शताब्दी समारोह में शामिल हुए.

# शीतलहर की चपेट में देश के कई राज्य, ठंड और कोहरे को लेकर आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

जयपुर (आरएनएस)। देश के कई राज्य शीतलहर की चपेट में हैं। उत्तर भारत में लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी तो मैदानी क्षेत्रों में सर्द हवा और कोहरे से आम जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। नए वर्ष का आगाज शीतलहर से हुआ है। एक जनवरी को पंजाब , हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ठंड ने गलन बढ़ा दी। अगले एक हफ्ते तक पारा और लुढ़क सकता है। इसे लेकर आईएमडी ने अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश में गुरुवार को तापमान में सुधार के संकेत दिए गए हैं। सुबह के समय यहां तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 9 डिग्री सेल्सियस होने के आसार जताए गए हैं। इससे जहां दिन में सर्दी से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी, तो वहीं रात के समय सर्दी बढ़ेगी। श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी सहित अन्य जिलों में तीन जनवरी के लिए मौसम विभाग की तरफ से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उधर, उत्तर प्रदेश के छोटे शहरों और कस्बों में भी सर्दी ने लोगों को परेशान कर दिया है। फिरोजाबाद और जौनपुर में हाड़ कंपा देने वाली ठंड से लोग परेशान हैं। सुबह खेत खलिहानों में विजिबिलिटी बेहद खराब रही और दूर तक कोहरे की घनी चादर दिखी। स्थानीय निवासी ने बताया कि नए साल का दूसरा दिन है और भयंकर कोहरा पड़ रहा है। दूर-दूर तक कुछ भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। सड़कें सुनसान पड़ रही है। इस ठंड की वजह से बुजुर्गों और बच्चों को खासा परेशानी हो रही है। तीन जनवरी से उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी गलन बढ़ गई है। लोग सर्दी के कहर से खुद को बचाने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सीकर प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका दर्ज किया गया है। यहां न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस रहा है। अजमेर में बुधवार रात तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कई हिस्सों में शीतलहर की चेतावनी भी जारी की है। कोहरे का प्रभाव आज उत्तरी-दक्षिणी और पूर्वी राजस्थान बताया जा रहा है।

वहीं, पंजाब के अमृतसर का भी कुछ ऐसा ही हाल है। दूर-दूर कुछ नजर नहीं आ रहा है। कोहरे की वजह से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बॉलीवुड की जान और वीर की जारा यानी की प्रिटी जिंटा की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। प्रिटी जिंटा अपने पति जीन गुडइनफ और करीबी दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने के मूड में हैं। वह अपने दोस्तों के साथ विदेशी जगहों और समुद्र तटों की यात्रा कर रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अभिनेत्री ने अपने पति और दोस्तों के साथ अपनी छुट्टियों के पलों को दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सेल्फी लेती, एक रेस्तरां में घूमती, समुद्र तट पर घूमती और समूह तस्वीरें क्लिक करती नजर आ रही हैं।

## स्टाइलिश बॉडीकॉन आउटफिट पहन भूमि पेडनेकर ने शेयर की हॉट फोटोज, अदाएं ऐसी की नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

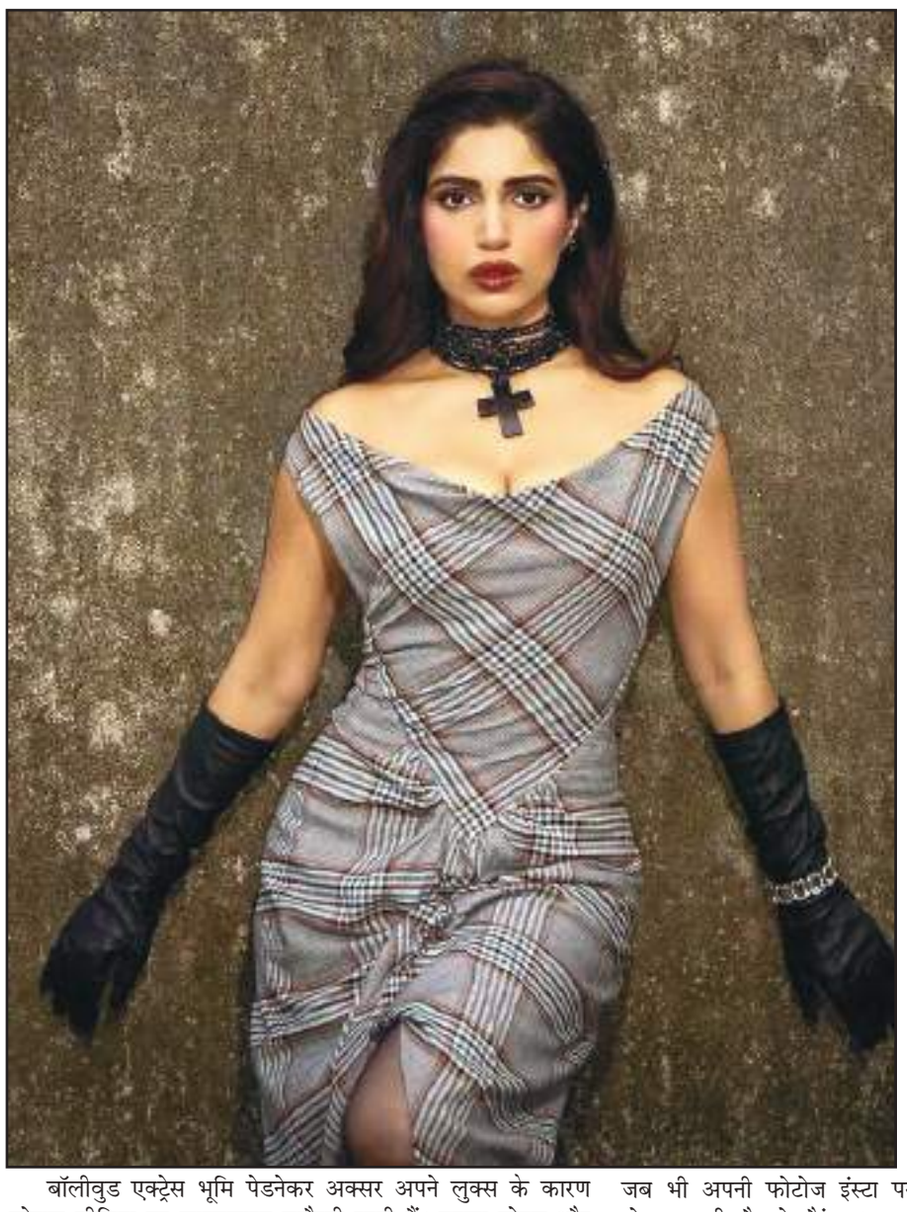

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अक्सर अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स इंटरनेट पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया के जरिए फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। भूमि पेडनेकर की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने बोट नेक आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बालों को वेवी स्टाइल लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती है तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

### सुरभि ज्योति की सीरीज गुनाह 2 की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया टीजर आया सामने

सुरभि ज्योति और गश्मीर महाजनी की वेब सीरीज गुनाह के दूसरे सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।गुनाह 2 का टीजर पहले ही सामने आ चुका है। आखिरकार अब इसकी रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है।इसके साथ निर्माताओं ने गुनाह 2 का नया टीजर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं।आइए बताते हैं इस सीरीज को आप कब और कहां देख पाएंगे। गुनाह 2 का प्रीमियर 3 जनवरी, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, प्यार ने शुरू की थी कहानी, लेकिन बदले ने लिखा इसका अंजाम।बता दें कि गुनाह के पहले सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। यह सीरीज 3 जून, 2024 को डिज्नी+ हॉस्टार पर रिलीज हुई थी।

## फ्लॉप फिल्म के बावजूद छाई वामिका गब्बी, बेबी जॉन से बनीं नई नेशनल क्रश और इंटरनेट सेंसेशन

हाल ही में रिलीज हुई वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन को लेकर उम्मीदें तो बड़ी थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने खास कमाल नहीं किया. जब ट्रेलर आया था, तब लगा था कि फिल्म बंपर कलेक्शन करेगी, लेकिन मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया है. हालांकि, फिल्म भले ही फ्लॉप हो गई हो, लेकिन इसमें एक्ट्रेस वामिका गब्बी की चर्चा हर तरफ हो रही है.

वामिका गब्बी ने बेबी जॉन से बॉलीवुड में कदम रखा है और उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है. वामिका को उनकी खूबसूरत आंखों और शानदार अदाकारी के लिए खूब तारीफ मिल रही है. यही वजह है कि उन्हें अब नई नेशनल क्रश कहा जा रहा है.

वामिका गब्बी इससे पहले तमिल, मलयालम और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं. उन्होंने मलयालम फिल्म गोधा और तमिल फिल्म नेराथु मसक्कम से काफी पॉपुलैरिटी हासिल की थी. वामिका ने जब वी मेट में भी एक छोटा किरदार निभाया था.

सोशल मीडिया पर भी वामिका खूब एक्टिव रहती हैं और उनकी पोस्ट्स को फैंस का खूब प्यार मिलता है. वामिका की पॉपुलैरिटी बेबी जॉन के बाद और ज्यादा बढ़ गई है.

फिल्म का पहला वीकेंड अभी बाकी है और देखने वाली बात होगी कि वीकेंड पर फिल्म का कलेक्शन कैसा रहता है. हालांकि, अब तक फिल्म का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है. बेबी जॉन के फ्लॉप होने के बावजूद वामिका गब्बी इस फिल्म की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं.

## वेलकम टू द जंगल के मेगा शेड्यूल से उठा पर्दा, अक्षय कुमार और टीम ने कसी कमर

वेलकम टू द जंगल 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अक्षय कुमार और अन्य कलाकारों से सजी यह कॉमिक फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, निर्माताओं ने फिल्म की नाटकीय रिलीज को अगले साल तक के लिए टाल दिया। अहमद खान के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर आया नया अपडेट उत्साह बढ़ाने वाला है। फिल्म की शूटिंग का मेगा शेड्यूल तैयार किया गया है। वेलकम टू द जंगल को लेकर नवीनतम विकास यह है कि एक मेगा शेड्यूल दुबई में शूट किया जाएगा। टीम ने अगस्त 2024 में मुंबई और कश्मीर में फिल्म का मैराथन शेड्यूल पूरा किया। और अब, वे दुबई में अंतर्राष्ट्रीय शेड्यूल शुरू करेंगे। निर्देशक अहमद खान ने खुलासा किया कि मेगा शेड्यूल जल्द ही दुबई में शुरू होगा। अहमद खान ने साझा किया, अबू धाबी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दर्शक सिनेमाई असाधारणता और असीमित मनोरंजन की उम्मीद कर सकते हैं। टीम ने पहले से ही रेकी के लिए यात्रा करने का कार्यक्रम भी बना लिया है। दूसरी ओर, निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने कहा कि कॉमिक फिल्म की शूटिंग संयुक्त अरब अमीरात के प्रभावशाली स्थानों पर की जाएगी। फिरोज नाडियाडवाला ने कहा, फिल्म के एक्शन सीन और गाने को संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिष्ठित स्थानों पर कई विदेशी एक्शन, स्टंट क्रू और डांसरों के साथ उन स्थानों पर शूट किया जाएगा, जहां आज तक हाई ऑक्टेन हॉलीवुड फिल्मों को भी शूटिंग की सुविधा नहीं दी गई है। फिलहाल, टीम शूटिंग स्थानों के अधिकार और परमिट प्राप्त करने पर काम कर रही है। फिल्म के बारे में बात करें तो इसमें 34 कलाकारों सहित कई स्टार कलाकार शामिल हैं। मेकर्स ने फिल्म की 70 फीसदी शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है। परेश रावल, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, शाइरब हाशमी, श्रेयस तलपड़े, अरशद वारसी, मुकेश तिवारी और अन्य सितारे वेलकम टू द जंगल का हिस्सा हैं। फिल्म 2025 में सिल्वर स्क्रीन पर दस्तक देने वाली है।

## पुष्पा 2 की बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई जारी, वाइल्डफायर ब्लॉकबस्टर ने दुनियाभर में 1750 करोड़ का आंकड़ा किया पार

पुष्पा 2: द रूल बॉक्स ऑफिस पर अपनी छाप छोड़ रही है. हालांकि फिल्म ने अपने चौथे सोमवार को कमाई में भारी गिरावट देखी. 26वें दिन फिल्म का कलेक्शन अब तक का सबसे कम रहा, लेकिन नए साल पर फिर से कमाई में उछाल आ सकता है. वहीं, मेकर्स ने जानकारी दी है कि पुष्पा 2 ने 25 दिनों में दुनिया भर में 1750 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. आंकड़ों के अनुसार, फिल्म आसानी से दुनिया भर में 1,800 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है.

बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 की रफ्तार अब धीमी होती जा रही है. सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, पुष्पा 2 ने अपने पहले हफ्ते में 725.8 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते में 264.8 करोड़ रुपये और तीसरे हफ्ते में 129.5 करोड़ रुपये कमाए. सुकुमार की निर्देशित फिल्म ने अपने चौथे शुक्रवार को 8.75 करोड़, चौथे शनिवार को 12.5 करोड़, चौथे रविवार को 15.65 करोड़ रुपये कमाए.

चौथे वीकेंड के बाद 26वें दिन फिल्म ने सभी भाषाओं में लगभग 6.65 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. यह फिल्म की अब तक सबसे कम कमाई है. इसके साथ ही, अल्लू अर्जुन की फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपने 26वें दिन तक कुल 1163.65 करोड़ की कमाई कर ली है.

पुष्पा 2 के हिंदी शो की बात करें मेकर्स के अनुसार, अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 25 दिनों में 770.25 करोड़ से ज्यादा कमाई की है. वहीं, चौथे सोमवार को पुष्पा 2 ने हिंदी बेल्ट में 5.25 करोड़ रुपये कमाए. 26 दिनों के बाद पुष्पा 2 का हिंदी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 775.50 करोड़ रुपये हो गया है.

मेकर्स ने बीते सोमवार को पुष्पा 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में अपडेट दिया है. उन्होंने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि सीक्रल ने दुनिया भर में 1,760 करोड़ रुपये कमाए हैं. एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अल्लू अर्जुन का पोस्टर का शेयर करते हुए लिखा है, पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी रिकॉर्ड तोड़ कमाई जारी रखी. वाइल्डफायर ब्लॉकबस्टर ने सिर्फ 25 दिनों में दुनिया भर में 1760 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. पुष्पा 2 वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म बाहुबली 2, जिसने 1788.06 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन किया है, को मात देने के लिए तैयार है.

पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, जगपति बाबू और राव रमेश महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. सुकुमार की निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को तेलुगू, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज हुई.

### फिल्म डाकू महाराज के तीसरे गाने की रिलीज डेट से पर्दा उठा, नंदमुरी बालकृष्ण-उर्वशी रौतेला का पोस्टर जारी

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म एनबीके 109 का आधिकारिक शीर्ष डाकू महाराज है, जिसके घोषणा पहले ही की जा चुकी है। अब फैंस के बीच उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माता लगातार डाकू महाराज से जुड़ी नई जानकारियां और झलकियां साझा कर रहे हैं। फिल्म के दो गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं और अब निर्माता इसके तीसरे गाने की रिलीज की तैयारियां कर रहे हैं।

अब निर्माताओं की फिल्म के तीसरे गाने की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि डाकू महाराज का तीसरा गाना 4 जनवरी, 2025 को यूएसए प्री-रिलीज इवेंट के दौरान रिलीज किया जाएगा, जो कि भारतीय समय के अनुसार 5 जनवरी, 2025 को होगा। फिल्म का तीसरा गाना थमन द्वारा रचित एक उच्च-ऊर्जा मास ट्रैक है, जो फैंस को खूब पसंद आएगा।

## क्या है नॉर्डिक वॉकिंग? जानिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

नॉर्डिक वॉकिंग एक खास चलने की तकनीक है, जिसमें पोल्स का इस्तेमाल होता है। यह एक्सरसाइज पैरों के साथ पूरे शरीर को सक्रिय करता है।फिनलैंड में शुरू हुई यह तकनीक अब दुनिया भर में लोकप्रिय हो रही है। नॉर्डिक वॉकिंग हृदय की धड़कन बढ़ाकर और रक्त संचार सुधारकर हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है।इसके अलावा यह जोड़ों पर कम दबाव डालती है, जिससे हर उम्र के लोग इसे आसानी से कर सकते हैं।

नॉर्डिक वॉकिंग कैसे करें?

नॉर्डिक वॉकिंग करते समय सही तकनीक का पालन करना जरूरी होता है।सबसे पहले पोल्स को शरीर के पास रखें और उन्हें हल्के झुकाव पर आगे की ओर धकेलें। चलते समय हाथों और पैरों का तालमेल बनाए रखें ताकि पूरा शरीर सक्रिय रहे। ध्यान दें कि आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कंधे आरामदायक स्थिति में हों।शुरुआत में धीमी गति से चलें और धीरे-धीरे अपनी गति बढ़ाएं ताकि आपका शरीर इस नई गतिविधि के साथ तालमेल बिठा सके।

नॉर्डिक वॉकिंग के फायदे

नॉर्डिक वॉकिंग हृदय स्वास्थ्य को सुधार सकती है क्योंकि इससे हृदय की धड़कन तेज होती है और रक्त संचार बेहतर होता है।इसके अलावा यह एक्सरसाइज कैलोरी जलाने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में सहायता मिल सकती है।नॉर्डिक वॉकिंग करने से मांसपेशियों की मजबूती भी बढ़ती हैं क्योंकि इसमें पूरे शरीर का उपयोग होता हैं।साथ ही इस एक्सरसाइज से जोड़ों पर कम दबाव पड़ता हैं, जिससे इसे बुजुर्ग लोग भी आसानी से कर सकते हैं।

एक्सरसाइज करते समय बरतें ये सावधानियां

जब आप नॉर्डिक वॉकिंग शुरू करें तो कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है ताकि चोट से बचा जा सके।इसके लिए सही आकार के पोल्स का चयन करें, जो आपकी ऊंचाई के अनुसार हों। इससे संतुलन बनाने में मदद मिलेगी।हमेशा सपाट सतह पर चलें जहां फिसलने का खतरा कम हो।अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कर रहे हैं तो किसी प्रशिक्षित व्यक्ति की सलाह लें। यह सुनिश्चित करेगा कि आप सही तकनीक अपनाएं और सुरक्षित रहें।

अन्य एक्सरसाइज जोड़कर विविधता लाएं

अगर आप अपनी फिटनेस रूटीन में विविधता लाना चाहते हैं तो नॉर्डिक वॉकिंग के साथ कुछ अन्य एक्सरसाइज भी जोड़ सकते हैं।उदाहरण के लिए स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज जैसे योग या पाइलेट्स आपके मांसपेशियों को लचीला बनाएंगे।इसके अलावा हल्की दौड़ या साइक्लिंग जैसी कार्डियो एक्सरसाइज भी शामिल कर सकते हैं, जो आपके हृदय स्वास्थ्य को और बेहतर बनाएंगी।इन सभी एक्सरसाइज का संयोजन आपको एक संतुलित फिटनेस रूटीन प्रदान करेगा, जिससे आपका शारीरिक विकास होगा ।

## अपने प्रियजनों को दें ये खास तोहफे, खिल उठेगा चेहरा

नया साल हर किसी के जीवन में नई उम्मीदें, खुशियां, नए लक्ष्य जैसी कई चीजों को लेकर आता है. यही वह समय है जब हम अपने परिवार, दोस्तों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने का प्रयास करते हैं. ऐसे में नए साल पर अपनो को खास तरीके से विश करना और एक अच्छा तोहफा देना रिश्तों में मिठास का सबसे अच्छा तरीका है. आज हम आपको इस लेख में नए साल अपनों को गिफ्ट देने के लिए कुछ खास गिफ्ट के बारे में बताएंगे जिसे आप नए साल पर दे सकते हैं...

इस खास तरीके से करें विश-

डिजिटल कार्ड बनवाएं

आप नए साल के खास मौके पर एक डिजिटल न्यू ईयर कार्ड बनवा सकते हैं. इस कार्ड में उनके लिए आपकी शुभकामनाएं और कुछ मजेदार फोटोज़ शामिल कर लें.

नए साल पर अपनों को दें ये खास तोहफे-

डायरी

नया साल एक नई शुरुआत के साथ होता है. ऐसे में आप एक खूबसूरत डायरी अपनो को नए साल पर गिफ्ट कर सकते हैं. डायरी उपयोगी और प्रेरणादायक तोहफा हो सकता है.

घर सजाने के समान

नए साल पर आप घर सजाने के लिए खूबसूरत कैंडल्स, वॉल हैंगिंग्स, या प्लांट्स अपनों को गिफ्ट कर सकते हैं. ये किसी को भी देने के लिए बेहद खास हो सकते हैं.

ज्वेलरी

आप नए साल पर महिलाओं के लिए ज्वेलरी और पुरुषों के लिए वॉच या लेदर वॉलेट गिफ्ट करें. ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते और आसानी से हर किसी को भी पसंद आ जाते हैं.

कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स

नए साल पर आप आपनो को कस्टमाइज्ड मग, कुशन, फोटो फ्रेम, या पेन सेट गिफ्ट कर सकते हैं. इसपर नाम या कोई खास मैसेज प्रिंट करवा सकते हैं.

हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स

सर्दियों के मौसम में फिटनेस और स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में आप नए साल पर फिटनेस बैंड, ग्रीन टी किट, या स्पा सेट दे सकते हैं.

## शब्द सामर्थ्य -284

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

**ऊपर से नीचे**

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

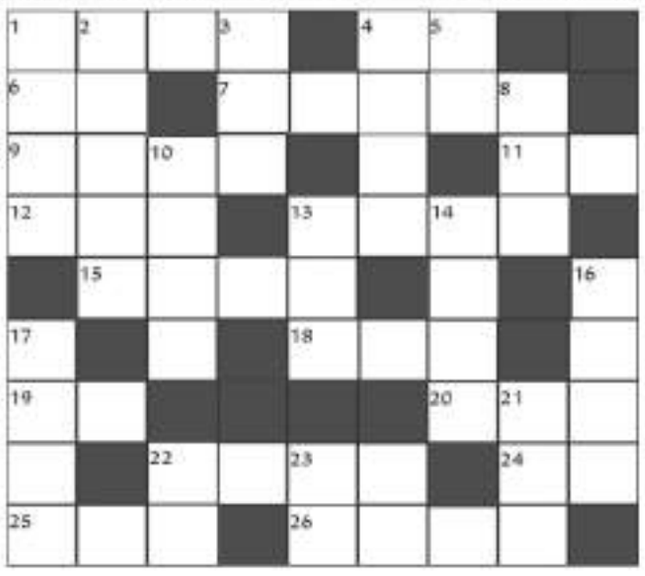

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 283 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दि | ल्ल | त | ■ | आ | सा | न | ■ | आ |
| ल | ■ | मी | ■ | खि | ■ | सी | ख | ना |
| ■ | म | ज | बू | र | ■ | ह | ■ | जा |
| स | र्द | ■ | ■ | का | ■ | त | रा | ना |
| र | ■ | ■ | ■ | र | वि | ■ | ह | ■ |
| प | ह | ना | ना | ■ | ना | रा | ज | ■ |
| ट | ■ | ■ | क | शि | श | ■ | नी | ला |
| ■ | र | ■ | ■ | का | ■ | रा | ■ | य |
| खा | ति | र | दा | री | ■ | त | क्ष | क |

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल में रात्रि बबलू मोहम्मद उम्र 26 वर्ष निवासी झल्लू होटल के पास हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पेंटिंग का काम करता है रात लगभग 8-30 बजे उसको झल्लू होटल मैदान के सामने हसीब हकला मिला जो उससे शराब पीने के लिये रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो हसीब हकला उसके साथ गाली गलौज करते हुये सब्जी काटने वाली चाकू से हमलाकर दाहिने हाथ की बीच वाली उंगली में चोट पहुँचाते हुये जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

# विकास के कार्य में कोई बाधा नहीं होगी - मंत्री राकेश सिंह

**मंत्री श्री सिंह पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल**

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह आज पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विभिन्नि कार्यक्रमों में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत ग्वाषरीघाट स्थित साकेत धाम से हुई। जहां संस्कूत भारती महाकौशल प्रांत द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अति?थि के रूप में उन्हों ने कहा कि संस्कृात सिर्फ भाषा ही नहीं बल्कि हमारे ज्ञान व संस्कृति की अभिव्यमक्ति है। संपूर्ण विश्व में जितनी भी भाषा है, उनकी जननी संस्कृकत ही है। संस्कृकत एक ऐसी भाषा है जिसे संवारा नहीं गया फिर भी देव भाषा है। अब इसके प्रचार-प्रसार की आवश्यककता है। भाषा के रूप में उन्होंनने संस्कृत संपूर्ण विश्व के ज्ञान का स्त्रोत है। संस्कृात भारती इसे पुनर्जीवित करने का सराहनीय कार्य कर रही है। यदि किसी व्यतक्ति संस्कृत के जानकार है तो अनुवादक के रूप में उसके रोजगार का साधन भी बन सकता है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना संस्कृरत से ही मिली है। जो संपूर्ण विश्वा को एक परिवार के रूप में देखता है तथा उसके कल्यावण की भावना से परिपूर्ण है। इस दौरान श्री देवपुजारी सहित अन्यक विद्वानों ने संस्कृकत भाषा के महत्ववव उपयोगिता के संबंध में अपने सारगर्भित विचार रखे। संस्कृवत भारती के इस गरिमामय कार्यक्रम में विशिष्ट? अतिथि विधायक श्री अशोक रोहाणी, वरिष्ट चिकित्सइक डॉ. जितेन्द्रय जामदार, कार्यक्रम के संयोजक श्री जितेन्द्रो अवस्थीस सहित अन्यक ख्या तिलब्धज नागरिक मौजूद थे। संस्कृ त भारती के कार्यक्रम के बाद मंत्री श्री सिंह ने एमपीईबी पम्पी हाऊस ललपुर ग्वारीघाट में श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए तथा पम्पद हाऊस ललपुर तक सड़क बनाने की घोषणा की। मंत्री श्री सिंह ने पचमठा मंदिर गढ़ा में श्रीराम कथा में शामिल होकर भगवान श्रीराम को नमन किया व प्रदेश के कल्यामण के लिए प्रार्थना की।

## अंसारी समाज के नये पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गत दिनों अंसारी भवन गोहलपुर में संपन्न अंसारी समाज के चुनाव उपरांत नव निर्वाचित पदाधिकारियो का शपथ ग्रहण व पदभार ग्रहण का कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. मुईनुद्दीन, बाबू अनवर निज़ामी, हाजी फिरोज कमाल तथा विशिष्ट अतिथि पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान व अंसारी समाज के सरदार हकीम बाबा, पार्षद सरदार अख्तर अंसारी की अध्यक्षता में तथा निर्वाचन अधिकारी जमील अहमद जमील व हाजी शेख निज़ामी के सानिध्य में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष सरदार हकीम बाबा, उपाध्यक्ष वसीम अंसारी, सचिव अयाज अंसारी, खजांची खलील अहमद अंसारी एवं सह सचिव किबरिया अंसारी ने शपथ ग्रहण पश्चात पदभार ग्रहण किया और पूर्व पदाधिकरियों से चार्ज लेकर उनके कार्यकाल की सराहना की। स्वागत बेला मे अथितियो सहित नव निर्वाचित व निवर्तमान पदाधिकारियो व पत्रकार तालिब हुसैन का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पार्षद याकूब अंसारी, पार्षद वकील अंसारी, पूर्व पार्षद रिजवान अंसारी, मुईन बाबा, फारुख पहलवान, एड. फिरोज अंसारी, छिददी चाचा, शमीम अंसारी गुड्डू, डॉ. मुईन अंसारी अयूब अंसारी सहित बड़ी संख्या में अंसारी समाज के नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शकील अंसारी ने किया और आभार सचिव अयाज अहमद अंसारी ने व्यक्त किया।

## मुस्लिम विकास परिषद बिना दहेज के निकाह करने वाले लड़के लड़कियों का परिचय सम्मेलन आयोजित करेगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के तत्वावधान में एक दिवसीय डेलिगेट्स बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद माहिर एडवोकेट ने की, जिसमे संभागों के सभी ज़िले के डेलिगेट्स शामिल हुए। दिन के 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलने वाली बैठक में मुस्लिम समाज के कई एहम मुद्दों पर परिषद के सदस्य डेलिगेट्स ने गंभीर चर्चा करते हुए समाज को हर स्तर पर जागरूक करने पर बल दिया। परिषद के अध्यक्ष मोहम्मद माहिर ने कहा कि संभागीय बैठक का मक़सद भी यही हे कि समाज के अंदर शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक और संवैधानिक जागरूकता का अभियान ज़िला स्तर चलाया जाय, आज समाज की सबसे बड़ी समस्या शादी में बढ़ रही दहेज प्रथा और बे फ़ुजूल रसूमात में बढ़ रहे आर्थिक ख़र्चे जिस से समाज इस्लाम की असल तालीम से दूर हो गया है, सभी मकतब फ़िक्र के उलमा जब जहां जैसा मौका मिलता हे, इस पर समाज को ज़रूर जागरूक करते रहे हैं, इस सिलसिले में परिषद प्रदेश व ज़िला स्तर उन मुस्लिम लड़के और लड़कियों के परिचय सम्मेलन आयोजित करेगी जो बिना दहेज लिए निकाह करेंगे, इस पर एक मुकम्मल कार्य योजना बनाकर काम किया जाएगा। बैठक में होशंगाबाद से हाजी अतहर, शरीफ़ राईन, भोपाल से हाजी अमीन एडवोकेट, शहाब सलीम, शमीम हयात, राजगढ़ से हाजी ख़लील, श्रीमती असमा ख़ान, पार्षद कमाल खान, बैतूल से श्रीमती ज़किया खातून, रायसेन से क़मर ख़ान राणा और सादिक पठान ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आगाज़ हाफ़िज़ अयान ने क़ुरआन की तिलावत से किया, संचालन नसीमुद्दीन ख़ान ने किया जबकि कार्यक्रम का समापन मौलाना रेहान नदवी की दुआ के साथ हुआ।

## जबलपुर विजन डॉक्यूमेंट के लिए जबलपुर चेम्बर ने दिये सुझाव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।(1) जबलपुर जिले का औद्योगिक एवं व्यापारिक मास्टर प्लान बनाया जाये।

(2) प्रत्येक विधानसभा में मल्ट्री स्टोरी स्वरोजगार केन्द्र (भवन) बनाया जाये। जहां ट्रेनिंग एवं उत्पादकता के लिये व्यवस्था हो। एक जिला एक उत्पाद को डेवल्प करने के लिये जबलपुर में मटर अधारित उद्योगों का कलस्टर डेवल्प कर उद्योगों के लिए विशेष ओधोगिक क्षेत्र बनाया जाये।

(3) महिलाओं के स्कील अपग्रेशन केन्द्र खोले जाये ताकि उन्नत तकनीक सिखा कर ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर प्राप्त हों।

(4) किसानों ने लिए कृषि उत्पाद वैल्यू एडिट सर्विस सेंटर एवं कॉमन फेस्लटी सेंटर बनाया जाये। जहां पर कृषि उत्पादों का मूल्य सवर्धन कर उन्हें दिया जाये। मूल्य संवर्धन एक खाध उत्पाद (कच्चे माल) को अधिक मूल्यवान उत्पाद में बदलने की प्रक्रिया है। इससे अंतिम उत्पाद का मूल्य बढ़ जाता है। इससे किसानों के उत्पाद मूल्यवान उत्पाद में बदल जायेंगे। यह कार्य कॉमन फेस्लटी सेंटर में होगा।

(5) निम्न आय वर्ग के नागरिको को स्कील ट्रेनिंग एवं रोजगार सब्सडी देकर रोजगार के अवसर बढ़ाये जायें।

(6) युवाओं के लिये लर्न एवं अर्न फोकस प्रोग्राम को प्रत्येक कॉलेज में प्रारम्भ किया जाये। युवाओं को शिक्षा के दौरान आवश्यक कौशल से लैस कर उन्हें कमाने के लिए प्रेरित किया जाये।

(7) जनजातीय समुदाय प्रशिक्षण एवं विक्रय केन्द्र प्रत्येक जिले में खोला जाये। इन केन्द्रों में उत्पाद सेवाओं को स्कील ट्रेनिंग दी जाये एवं उनके बनाये उत्पाद को बेचने का प्रबंध किया जायेद्य (8) जबलपुर जिला प्राथमिकताएँ एवं विकास की निम्न प्राथमिकताएँ :-

1.जबलपुर के रिंग रोड़ को आर्थिक कॉरिडोर के रुप में बनाया जाये। औद्योगिक क्षेत्रों को इस कॉरिडोर से जोड़ा जाये। लाजिस्टीक सेंटर एवं होल सेल मंडी इस कॉरिडोर में बनाया जाए।

2.कृषि उत्पादों के लिये कृषि मंडी को स्मार्ट मंडी के रुप में बनाया जाये।

3.एक जिला एक उत्पाद के रुप में मटर के लिये कामन फेस्लटी सेंटर बनाया जाये ताकि किसान मटर का वैल्यू एडिट प्रोडक्ट बनवा सके।

4.जबलपुर में हर्बल उत्पाद केन्द्र बनाया जाये। आर्युवेदिक कॉलेज हर्बल उत्पादन ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाये।

आदि सुझावों को जबलपुर चेम्बर द्वारा कलेक्टर मध्यप्रदेश शासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ताकि विकसित मध्यप्रदेश ञ्च 2047 जबलपुर विजन डॉक्युमेंट सुगमता से तैयार किया जा सके जबलपुर चेम्बर के प्रेम दुबे, कमल ग्रोवर, राधेश्याम अग्रवाल, अजय बख्तावर, अजय अग्रवाल, पंकज माहेश्वरी, वीरेन्द्र केशरवानी, नरिंदर सिंह पांधे, अरुण पवार, बलदीप सिंह मैनी, निखिल पाहवा, दीपक सेठी, राकेश श्रीवास्तव, देवी सिंह पटेल, शशिकांत पांडेय, रोशन मुलतानी, उमेश ग्रावकर आदि ने निम्न सुझाव दिए।

## कड़कड़ाती ठंड में गरीबों का सहारा बने युवा गर्म वस्त्र वितरण कर मनाया नव वर्ष

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जब पूरा शहर इस कड़कड़ाती ठंड में वर्ष 2024 को अलविदा एवं 2025 के स्वागत का जश्न मनाने में व्यस्त था तब शहर के युवा गरीबों का सहारा बने। उन्होंने सड़क किनारे खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब परिवारों के बीच पहुंचकर उन्हें गर्म वस्त्र शॉल,कंबल,कपड़े,खाना आदि वितरित कर नव वर्ष मनाया। शेख सलमान खान ने बताया कि हम लोगों द्वारा हजरत सैयद दरवेश शाह चमीटा वाले बाबा दरबार रानीताल में हर वर्ष ऐसे गरीब परिवार जो आर्थिक रूप से कमजोर है तथा जिनका घर नहीं है और सड़क किनारे खुले आसमान के नीचे सोते हे ऐसे परिवारों को गर्म वस्त्रों का वितरण कर नव वर्ष मनाया जाता है इस वर्ष भी हम लोगों ने लगभग दो सौ परिवारों को गर्म वस्त्र वितरण कर उन्हें नव वर्ष की खुशियां दी। उन्होंने कहा कि इस नव वर्ष पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि ऐसे लोग जिनका कोई नहीं है उनके बीच में पहुंचकर खुशी मनाएं। इस अवसर पर मुख्य रूप से रसूल खान,एनएसयूआई के शफी खान,छोटे खान,शेख सलमान खान,शेख शुभानी, शेख ख्वाजा, मो.नाजिर खान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

## अहिंसा चौक से दीनदयाल चौक तक चारो तरफ अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आयुक्त के आदेशानुसार आज एकता चौक से लेकर अहिंसा चौक,अहिंसा चौक से एसबीआई चौक ,एसबीआई से लेकर दीनदयाल चौक तक चारो तरफ अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई जिसमे सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया जी ,दल प्रभारी जे प्रवीण ,राममूर्ति जी,ब्रजकिशोर तिवारी ,वीरेंद्र मिश्रा,पी रामाराव जी, दुर्गा राव जी,विनय चौबे जी,अंकित पारस जी के साथ अतिक्रमण विभाग की टीम उपस्थित रही जिसमे 17 टपरे ,7 ठेले ,5 बेंच टेबल,8 बोर्ड ,3 गैस टंकी ,2 गैस के चूल्हे जब्त किए गए

**कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने नवनिर्मित होने वाले जगन्नाथ मंदिर में विधायक मद से करवाई जा रही बोरिंग कार्य का भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ करवाया**

खमरिया वेस्टलैंड में नवनिर्वाचित होने जा रहे भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में बोरिंग कार्य भूमिपूजन कर प्रारंभ करवाया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष पुष्पराज सिंह सेंगर एम आई सी सदस्य दामोदर सोनी पार्षद निशांत झरिया संतोषी ठाकुर सावित्र शाह अनुराग दहिया शिव जगन्नाथ सेवा समिति जबलपुर के अध्यक्ष समय पटनायक सचिव अर्जुन मोहंती सह सचिव मनोज बिस्वाल श्री वी डी गौतम आदि ने बोरिंग कार्य हेतु कैंट विधायक श्री अशोक ईश्वरदास रोहाणी जी को धन्यवाद ज्ञापित किया

## धर्म का उद्देश्य मनुष्य को त्याग की प्रेरणा देना है

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को त्याग की प्रेरणा देना है, न कि मनुष्य के स्वार्थ का समर्थन करना। इसका सीधा-सा तात्पर्य यह है कि धर्म का उद्देश्य स्वार्थ का समर्थन है तो इसके लिये न तो शास्त्र लिखने की आवश्यकता थी और न ही ग्रन्थ ही लिखने की, क्योंकि वह तो मनुष्य के स्वभाव में स्वत- ही है।

उसके मन में स्वभाव से ही स्वार्थ के समर्थन की बात आती है और अगर धर्म भी इसी स्वार्थ का समर्थन करे तो फिर धर्म की कोई उपयोगिता नहीं है। उपरोक्त उद्गार भरत सरिस को राम सनेही प्रवचन माला में पं. उमाशंकर शर्मा जी व्यास ने महेश भवन गोपालबाग में रामायणम जबलपुर द्वारा आयोजित श्री राम चरित मानस परायण ज्ञान यज्ञ के सप्तम दिवस व्यक्त किये। महाराज जी ने कहा कि धर्म का उद्देश्य तो यही है कि हमारा और आपका मन सहज रूप से जिस ओर जाता है, %धर्म हमारे मन को उस दिशा से हटाकर सही दिशा प्रदान करे। जब हमारे सामने दुविधा आवे कि धर्म की कौन-सी व्याख्या सही है, तब उसकी एक ही कसौटी है तथा रामचरित मानस के अनुकूल धर्म का सार भी यही है कि जिस व्याख्या से अपने स्वार्थ का समर्थन होता है, उसको हम स्वार्थ के समर्थन के रूप में भले ही कहें, पर उसको हम यह न कहें कि यह धर्म का तत्त्व है। तथा जिस व्याख्या से हमारे जीवन में त्याग और दूसरों के लिये कष्ट उठाने की प्रेरणा हो, वही धर्म की सच्ची व्याख्या है। महाराज जी ने कहा कि श्री राम का यश ही भरत जी का यश है, और भरत जी का चरित्र ही भगवान का यश है, इसको साधक तब तक नहीं समझ पायेगा, तब तक वह स्वयं अपने मन को साफ़ नहीं कर लेता है। महाराज जी कहा कि भरत जी ने धनुष पर बाण चढ़ाया पर बिना फल का बाण।

किसी ने भरत की से पूछा कि बाण के आगे तिकोना फल नहीं लगा है यह बिना फल का बाण क्यों चला रहे हो भरत जी बोले इसलिए ताकि लोग देख ले की एक बाण हमारे हाथ में है और फल भगवान के हाथ में है। श्री राम सरकार एवं महाराज श्री का पूजन सर्वश्री साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी, दीदी मैत्रेय दीदी, मेवालाल छिरोलया, प्रकाश मालपानी, जी एस कुर्वेती, शम्भूदयाल बड़ेरिया, गोपाल नीखरा, समनदास आसवानी, सावल दास खत्री, रुचिमोहन, डॉ बृजेश दीक्षित, प्रकाश मालपानी, मुन्ना महाराज, प्रह्लाद अग्रवाल, गोपाल खजांची ने किया। मंच संचालन आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे एवं स्वस्तिवाचन पंडित रोहित दुबे, पं. सौरभ दुबे, पं. महेंद्र पांडेय, पं. पवन आदि ने किया।

जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )। थाना रांझी में रात्रि आयुष ठाकुर उम्र 22 वर्ष निवासी इंद्रानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्राईवेट काम करता है, आयुष पटैल के साथ इंद्रानगर से अपने घर जा रहा था विश्वकर्मा मंदिर पुलिया के पास गंगामईया पहुँचा वहां पर अमन मिश्रा, अनमोल मिश्रा, पियूष राम टेके मिले और आयुष पटैल से एक हजार रूपये मांगने लगे, आयुष पटैल ने रूपये देने से मना किया तो तीनों गाली गलौज करने लगे तो आयुष पटैल जेब में रखे रूपये निकाल कर दे दिया तभी अमन मिश्रा ने चाकू, अनमोल मिश्रा ने रॉड तथा पियूष राम टेके ने डंडा से हमलाकर

# डॉक्टर ने नशे की हालत में 6 लोगों को कार से रौंदा दो की मौत

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )।** आज देर शाम विजयनगर क्षेत्र में एसबीआई चौक के पास एक शराब के नशे में मदहोश डॉक्टर संजय पटेल ने अपनी कार से 6 लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। मरने वालों में रविशंकर और मुन्नी बाई के नाम बताए जा रहे हैं वहीं घायलों में दीपा शुक्ला, रविंद्र दुबे, मुन्नी बाई, वैशाली नामदेव, मोहित शर्मा और रविंद्र सिंह आदि शामिल है।

घटना के समय अधिकांश लोग पैदल रोड के किनारे जा रहे थे कोई प्राइवेट जॉब करके वापस लौट रहा था तो कोई अपने घर जा रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार 9ः30 बजे के करीब यह घटना विजयनगर स्थित अग्रसेन चौक के पास घटित हुई। बीएचएमएस डॉक्टर संजय पटेल जो हाल ही में विवादों में घिरे रहे हैं वह शराब के नशे में धुत होकर विजयनगर से दीनदयाल की ओर जा रहा था। इसी दौरान गाड़ी बहक गई और उसने 6 लोगों को टक्कर मार कर घायल कर दिया इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के तत्काल बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी विजयनगर थाने के पूरे बल मौके पर पहुँचे और घटना की जांच पड़ताल प्रारंभ की। घटना के बाद नशे में धुत डॉक्टर संजय पटेल को स्थानी लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले किया वही डॉक्टर के साथ मौजूद एक अन्य शख्स फरार होने में कामयाब हो गया।

**हृदय विदारक था नजारा**

घटनास्थल के बाद जिसने भी मौके पर नजारा देखा उसका दिल दहल उठा। हर तरफ़ घायल पड़े हुए थे किसी को यह समझ में नहीं आ रहा था कि इसमें से कौन जिंदा है और कौन मर चुका है। दो लोगों के शव अस्त-व्यस्त हालत में थे जिनके हाथ



पांव बुरी तरीके से मुड़ चुके थे। बाद में एंबुलेंस के आने पर इन्हें वहां से अस्पताल के लिए रवाना किया गया। स्थिति इतनी भयानक थी कि लोग पूरी तरीके से टूट चुके शरीर को उठाने में भी डर रहे थे। घटना स्थल से कार क्रमांक एमपी 20 जेडई1572 को डॉक्टर संजय पटेल चला रहा था तेज रफ्तार कार नशे की हालत में अनियंत्रित हो गई और उसने लोगों को टक्कर मारना शुरू कर दिया। टक्कर मारने के बाद भी कार चालक वहां नहीं रोका और वह लोगों को रौंदता हुआ उनके ऊपर से कार चला कर भागने का प्रयास करता रहा।

इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की भयावता वीडियो देखकर आसानी से समझी जा सकती है कि नशे के हालात में आदमी कैसा राक्षस जैसा कांड कर देता है। शुक्रवार रात को एक तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे 6 लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। इनमें से 3 की हालत गंभीर है। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा शुक्रवार रात करीब 9.30 बजे विजय नगर में हुआ। बताया जा रहा है कि कार बीएचएमएस डॉक्टर संजय पटेल चला रहा था। वह अपने दोस्त के साथ विजय नगर से दीनदयाल चौक की ओर जा रहा था। तभी यह हादसा हो गया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी आनंद कलादगी समेत विजय नगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में मुन्नी बाई सेन और एक अन्य की मौत हुई है। 65 साल की मुन्नी बाई सेन काम से वापस अपने घर जा रही थी। मुन्नी बाई सेन के बेटे ने बताया कि उनकी मां प्राइवेट जॉब करती है। शुक्रवार की रात को उन्होंने एसबीआई चौक पर ऑटो से उतरने के बाद जैसे ही पैदल घर जाने के



लिए सर्विस रोड पकड़ी, उसी दौरान पीछे से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। कार की टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना में एक अन्य गौरी शंकर दुबे की भी मौत हो गई। जबकि एक बच्ची समेत तीन अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। रवि सेन ने बताया कि जिस कार चालक ने टक्कर मारी, वह नशे में इस कदर धुत था कि टक्कर मारने के बाद भी उसे कुछ होश नहीं था। विजय नगर थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पवार ने बताया कि ब्लैक कलर की किया कार क्रमांक (स्क्क20 ँश्च 1572) दीनदयाल चौक तरफ जा रही थी। कार ने अचानक ही मुख्य सड़क को छोड़कर सर्विस रोड पकड़ी और फिर पैदल जा रहे लोगों को रौंदना शुरू कर दिया। कार चला रहे संजय पटेल ने तेज रफ्तार कार चलाते हुए लोगों को टक्कर मारना शुरू कर दिया। देखते ही देखते लोग सड़क किनारे गिर गए और कार चालक लोगों के ऊपर से कार लेकर भागने लगा। संजय पटेल ने सड़क किनारे खड़ी एक कार को भी टक्कर मारी है। एएसपी आनंद कलादगी ने बताया किआरोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया गया है। कार चालक डॉक्टर है। विजय नगर थाना पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है, जबकि दो मृतकों के शव को पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है।

## शातिर सटोरिया सट्टा लिखते रंगे हाथ पकड़ा गया

### नगद 6 हजार 20 रूपये जप्त

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )।** थाना प्रभारी खमरिया श्रीमति गाजीवती पुसाम ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली घाना चौराहे के पास खाली मैदान में एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा पट्टी लिख रहा है सूचना पर पुलिस लाईन एवं थाना खमरिया की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई, जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति सट्टा पट्टी लिखते दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया, जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम आशीष पटैल उम 35 वर्ष निवासी भैंसासुर मंदिर के पास घाना बताया जिसके कब्जे से सट्टा पट्टी तथा सट्टा की लगवाड़ी रकम नगदी 6 हजार 20 रूपये जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

उल्लेखनीय भूमिका- सटोरिया को सट्टा पट्टी लिखते हुये रंगे हाथ पकड़ने मे प्रधान आरक्षक सरस्वती, पुलिस लाईन के प्रधान आरक्षक शिवशंकर द्विवेदी आरक्षक सफीक की सराहनीय भूमिका रही।

## सुअरमार बम के साथ आरोपी पकड़ा गया, सुअरमार बम जप्त

**जबलपुर** - थाना लार्डगंज अन्तर्गत चौकी यादव कालोनी मे रात्रि मुखबिर से सूचना मिली कि सुनील बाघमारे नाम का व्यक्ति जो एक महिला को परेशान करता है जिसके खिलाफ महिला ने रिपोर्ट की थी इसी बात से रंजिस रखते हुये महिला के घर बम फैंकने के इरादे से एम आर 4 रोड़ के पास खड़ा है,

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 420/ 2024/2025 दिनांक 03.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री दीपक उपाध्याय, पिता- श्री ओंकार प्रसाद उपाध्याय** ने भूखंड क्रं. 91 पिन क्र. 2000117593 , **वार्ड क्र. 01, वार्ड गढ़ा ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती भारती कनौजिया, पति- श्री प्रफुल्ल कनौजिया, क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 891 व.फु., प्रथमतल 891 व.फु., द्वितीयतल 100 व.फु. **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

## जुआ के फड़ पर छापा, 4 जुआड़ी गिरफ्तार, 4550 रुपये जप्त

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )।** थाना लार्डगंज में मुख्बिर से सूचना मिली कि पुष्पनगर मालगोदाम के पास कुछ जुआड़ी ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई, जहां जुआड़ी पुलिस को देखकर भागने लगे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया, नाम पता पूछने पर सभी ने अपने नाम क्रमश: शैंकी पटैल निवासी यादव कालोनी, अनुराग पटैल निवासी शुक्ला नगर गंगासागर रोड़ थाना मदनमहल, मोहित उर्फ राजेश साहू निवासी यादव कालोनी जयनगर पार्क के पास लार्डगंज, सूरज कोरी निवासी भानतलैया हनुमानताल, बताये जुआड़ियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते तथा 4 हजार 550 रूपये जप्त करते हुये जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

## देशी कट्टा एवं कारतूस रखे आरोपी गिरफ्तार, 1 देशी कट्टा एवं 2 कारतूस मय कार के जप्त

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )।** पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा जिले मे पदस्थ समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुये उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया है।

आदेश के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक अपराध श्री समर वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री सूर्यकांत शर्मा तथा एसडीओपी पाटन श्री लोकेश डाबर के मार्ग दर्शन में क्राईम ब्रांच एवं थाना बेलखेड़ा की टीम द्वारा 1 आरोपी को देशी कट्टा एवं 2 कारतूस सहित पकड़ा गया है।

थाना प्रभारी बेलखेड़ा श्रीमती सरोजनी चौकसे ने बताया कि दिनांक 3-1-25 को क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सुन्द्रादेही का एक लड़का कट्टा लेकर सफेद रंग की कार में बस स्टेण्ड में पंचर दुकान के पास खड़ा है सूचना पर क्राईम ब्रांच एवं थाना बेलखेड़ा की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई, पुलिस को देखकर मुखबिर के बताये हुलिये का लड़का कार से भागने लगा, घेराबंदी कर कार को रोका गया तथा कार में बैठे लड़के ने पूछताछ पर अपना नाम अजय उर्फ अज्जू लोधी उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम सुन्द्रादेही बताया, तलाशी लेने पर पहने हुये पेंट में सामने तरफ के वांये जेब में देशी कट्टा 315 बोर तथा जैकेट के दाहिने जेब में 2 कारतूस रखे मिला। आरोपी अजय उर्फ अज्जू लोधी के कब्जे से देशी कट्टा, 2 कारतूस एवं कार क्रमांक एमपी 18 सीए 1610 को जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये उक्त देशी कट्टा एवं कारतूस कहां से एवं किससे प्राप्त किये गये के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 419/ 2024/2025 दिनांक 03.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री शिवम सिंगोर, पिता- श्री नरेश कुमार सिंगोर** ने फ्लैट क्रं.- पी.पी.ए.-10 पिन क्र. 1000500229, **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती साधना खरे, पति- श्री पुरूषोत्तम लाल खरे, द्वितीयतल 385 व.फु. **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 418/ 2024/2025 दिनांक 03.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री सुनील कुमार गर्ग, पिता- श्री लक्ष्मी प्रसाद गर्ग,** ने भवन क्रं. 1207/6 पिन क्र. 1001980324, **वार्ड क्र. 01, वार्ड गढ़ा ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री लक्ष्मण कुमार नारवानी, पिता- श्री तीरथ प्रसाद नारवानी, भूतल 96 व.फु. **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 417/ 2024/2025 दिनांक 03.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **काबिज श्री मोहन लाल कुशवाहा, पिता- श्री राम कुशवाहा,** ने भवन क्रं. रीवा कॉलोनी, पिन क्र. 1002151494, **वार्ड क्र. 05, वार्ड सरदार वल्लभ भाई पटेल ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) काबिज श्री सुशील लोधी, पिता- रामदास लोधी, भूतल 494 व.फु. सीमेंट शीट, **शपथपत्र, विक्रयनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 416/ 2024/2025 दिनांक 03.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री आशीष खासकलम, 2. श्री आलोक खासकलम, दोनों के पिता- स्व. श्री रघुवर दयाल खासकलम** ने भवन क्रं. 96 पिन क्र. 1000514337, **वार्ड क्र. 05, वार्ड सरदार वल्लभ भाई पटेल ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री रघुवर दयाल खासकलम, पिता- स्व. श्री शंकर लाल खासकलम, भूतल 2522 व.फु., **शपथपत्र, सहमति शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 415/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती रश्मि धाकड, पति- श्री अजय कुमार धाकड, 2. श्री अजय कुमार धाकड, पिता- श्री किशोर सिंह धाकड,** ने भवन क्रं. एमआईजी- 195 पिन क्र. 1000490836, **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती सुदेश शर्मा, पति- श्री यशपाल शर्मा, भूतल 685 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 414/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती अनीता सिंह राजपूत, पति- श्री अरविंद सिंह राजपूत** ने भूखंड क्रं. 268 पिन क्र. 1002825020, **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती रविन्दर कौर विरदी, पति- सर. हरपाल सिंह विरदी, क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 850 व.फु., प्रथमतल 800 व.फु., द्वितीयतल 80 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 413/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती विनीता अहिरवार, पति- श्री चंद्रभान अहिरवार** ने भवन क्रं. 94 पिन क्र. 1000702332, **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री आशीष कुमार आमले, पिता- श्री रामेश्वर आमले, क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 1000 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 412/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती शंकुतला जदौन, पति- स्व. श्री श्याम पाल जदौन, 2. श्रीमती निधि जदौन, पति- श्री रवि प्रताप जदौन,** ने भूखंड क्रं. 325 एवं 326 पिन क्र. 1003269971, **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर, पति- श्री जयंत सिंह ठाकुर, क्षेत्रफल 565 व.फु., भूतल 550 व.फु., प्रथमतल 550 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 411/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री जितेन्द्र पटैल, पिता- श्री मुन्ना लाल पटैल** ने भवन क्रं. ग्राम अंधुआ, पिन क्र. 1000701872, **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री रमेश लोधी, पिता- श्री चेतराम लोधी, भूतल 880 व.फु., **कब्जानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 410/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री मुकुल पटेरिया, पिता- श्री महेश कुमार पटेरिया** ने भवन क्रं. बी-144, पिन क्र. 1003271094, **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती प्रीति अग्रवाल, पति- श्री अंकिश अग्रवाल, क्षेत्रफल 1230 व.फु., भूतल 1150 व.फु., प्रथमतल 450 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 409/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री रामचंद्र खटवानी, पिता- स्व. श्री कन्हैया लाल खटवानी,** ने खसरा क्रं. 16/3, 17/3 नया 16/3/1, पिन क्र. 1002923109, **वार्ड क्र. 03, वार्ड त्रिपुरी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री रामचंद्र खटवानी, श्रीमती गीता, पति- राधा किशन खटवानी, प्राची, पति- चन्द्रप्रकाश, शिल्पा राजदेव, पति- सुरेन्द्र राजदेव, क्षेत्रफल 17664 व.फु., भूतल 1500 व.फु टीन शेड, **त्यागपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 408/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती स्वाधीनता कुल्हाड़े, पति- श्री राधेश्याम कुल्हाड़े,** ने भूखंड क्रं. 11 पिन क्र. 1000598985, **वार्ड क्र. 01, वार्ड गढ़ा ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती गिरजा शंकर पटेल, पति- श्री तुलसी राम पटेल, क्षेत्रफल 1200 व.फु., भूतल 860 व.फु, प्रथमतल 860 व.फु., द्वितीयतल 110 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 407/ 2024/2025 दिनांक 02.01.2025

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती सुक्को बाई, पति- स्व. श्री गरीबदास, 2. श्रीमती अर्चना लोधी, पति- स्व. श्री मनभरन लोधी,** ने भवन क्रं. 902/1 पिन क्र. 1000533031, **वार्ड क्र. 03, वार्ड त्रिपुरी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री गरीबदास, पिता- मूरत लोधी, भूतल 190 व.फु. शीट, **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 406/ 2024/2025 दिनांक 30.12.2024

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री विनीत कुमार कन्नमकुलंगरा वेलायुधन, पिता- श्री के.टी.वेलायुधन** ने भवन क्रं. 1015 पिन क्र. 1000530848, **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री पी.के. सुकमारन, पिता- नानू वैघी, क्षेत्रफल 2400 व.फु., भूतल 975 व.फु., प्रथमतल 675 व.फु., **शपथपत्र, वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 405/ 2024/2025 दिनांक 30.12.2024

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती रेखा राय, पति- श्री संतोष कुमार राय** ने भवन क्रं. 1235 पिन क्र. 1000501387, **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री इसरार अहमद खान, पिता- मोहम्मद अहमद खान, क्षेत्रफल 880 व.फु., भूतल 450 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

### कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1, गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 404/ 2024/2025 दिनांक 30.12.2024

**भवन नाम परिवर्तन सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्वेता जगन्नाथ तडवे, पिता- श्री जगन्नाथ तडवे** ने भूखंड क्रं. 30 पिन क्र. 2000198290 का भाग, **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री सुनील जसूजा डायरेक्टर मेसर्स जसूजा इन्टरप्राइजेज, क्षेत्रफल 800 व.फु., भूतल 800 व.फु., प्रथमतल 800 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

**संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर**

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुआं जबलपुर से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999